ষড়্বিংশ খণ্ড

VISVA-BHARATI LIBRARY

স্বরবিতান

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর



PRESENTED BY

व्याप्रमान



VISVA-PHARATI
267896

বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ কলিকাতা প্রকাশ ১৩৫৯ অগ্রহারণ প্রর্মূত্রণ প্রাবণ ১৩৭২ সংকরণ ভাজ ১৩৮১ প্রর্মূত্রণ আবাঢ় ১৩৮৬ ফাব্রন ১৩৮৯: ১৯০৪ শক

### © বিশ্বভারতী

প্রকাশক শ্রীব্দগদিক্র ভৌমিক বিশ্বভারতী। ৬ আচার্য ব্দগদীশ বস্থ রোড। কলিকাতা ১৭

মৃত্রক শ্রীপ্রাণকুমার মৃথার্জী এস. আণ্টুল অ্যাণ্ড কোম্পানি প্রাইভেট লিমিটেড ১১ আচার্য প্রফুলচন্দ্র রায় রোড। কলিকাতা ১

আজি রাজ-আসনে ভোমারে বসাইব	¢
আমার এ ঘরে আপনার করে	9
আমার বিচার তুমি করো .	*
্ইচ্ছা যবে হবে লইয়ো পারে	>>
একমনে ভোর একভারাতে	> 2
<b>এ</b> ত আনন্দধনি <b>উঠিল কোপা</b> য়	>8
<i>এসেছে সকলে কন্ত আশে</i>	.>@
কত প্ৰানাৰে জানাইলে তুমি	78
কী ভর অভরধামে	२ ॰
কেন জাগেনাজাগেনাজবশ পরান	२२
কেমনে রাখিবি ভোরা তাঁরে লুকারে	२०
কোণা হতে বাজে প্রেমবেদনারে	<b>२</b> 9
কৈ†ন্ শুভধনে উদিধে নয়নে	<b>\$</b> >
জননী, ভোমার করুণ চরণধানি	97
জীবনে আমার যত আনন্দ	೨೨
ভেকেছেন প্রিরতম	96
ভব অমল পয়শরস	24
<u>ভব প্রেমন্থগরসে মেভেচ্চি</u>	೨
তৃমি জাগিছ কে	8 2
ভূমি নব নব রূপে এসো প্রাণে	80
তৃমি যভ ভার দিয়েছ সে ভার	80
ভোমার দেখ। পাব ব'লে	0 0
পাদপ্রাত্তে রাখ' সেবকে	<b>@ ?</b>
ক্রেমে প্রাণে গানে গন্ধে	69
ব্রিষ ধরা-মাঝে শান্তির বারি	40

### বেহাগ। ধামার

আজি রাজ-আসনে ভোমারে বসাইব হৃদয়মাঝারে ॥
সকল কামনা সঁপিব চরণে অভিষেক-উপহারে ॥
ভোমারে, বিশ্বরাজ, অন্তরে রাখিব
ভোমার ভকতেরই এ অভিমান ।
ফিরিবে বাহিরে সর্ব চরাচর—
ভূমি চিন্ত-সাগারে ॥

২ • ৩ ॥ II পা -ধা | -মা -পা মা | গা -1 -1 গা I আ • • জি রা • •

> গা -91 -21 -গা -মা মা 511: -র: দা সর নাঃ -7 অ 7 (51 নে মা• রে I 21 91 9 -1 21 -1 27 21 ৰ্সা -1 -441 -1 I ना इ ব 71 ₫ হ 7 মা I 491 -1 II না -81 -না 15 ৰে 11 1 1 1 { 21 27 नाः -সঃ र्मा - । - । र्मना र्वेम्। -1 I 9 4 ম • ना I সা र्भा সর্কা र्मा । না -1 -ধপা 91 -ধনা -71 I -**ન**1 ٦ FOY 5 ₹ (9 I -1 } र्मर्भा । वर्मा -। | ना -। र्मा -1 -ধা I -91 না ধা · • অ (₹

-1 -1 মারে • বিশ্শ• না (31 I পा -ना -धा | र्जा - | ना - | धा -ना - 9धा | -मा - 91 न् ७० दा ० ता ००० ० वि গা -া: -রঃ সরা **₹**• **(3** • • ব্রি• • • ৽ ৽ ভোমার৽ • 😇 -1 -श् | ना -ना | शा मा | शा -1 -1 | -मा -1 -1 -शा I च्य डिगा • • • • Q वंभी -1 -1 I • • কি • রি বে বা • • হি∙ ৰে I -1 -1 -1 | र्मा -1 | र्मर्जा र्मा | सा -1 - ४१। | असा 471 ••• नव् व ह इ। ••• Б• র

I -1 (-1 -প1)} | -1 -1 | ਸੀ -গੀ | बैंਸੀ -1 | না -1 -1 | -ধ1 -প1 না ধা I

### দেশ। ত্রিভাগ

আমার এ ঘরে আপনার করে গৃহদীপথানি জালো ছে।
সব চুখণোক সার্থক হোক লভিয়া ভোমারি আলো হে॥
কোণে কোণে বভ সুকানো আধার মিলাবে ধন্য হয়ে,
ভোমারি পুণ্য আলোকে বসিয়া সবারে বাসিব ভালো হে॥
পরশমণির প্রদীপ ভোমার, অচপল ভার জ্যোভি
সোনা ক'রে লবে পলকে আমার সকল কলক কালো।
আমি বভ দীপ জালিয়াছি ভাহে শুধু জালা, শুধু কালি।
আমার ঘরের চুয়ারে শিয়রে ভোমারি কিরণ ঢালো হে॥

मा | भा -। ना -र्भा | र्भा नर्मर्जा र्मा पथा | पाः -थः र्मणा -धभा I II { র | র | মা আ যা ৰ • বে আ প • • না• র• ক I পা ধা পা মা | মগা -রগা রা -1 | রা -1 -গাঃ -ধঃ | পধপা -মগা রা --গাসা } I দীপ খা৽ ৽৽ নি ৽ জা ৽ ৽ ৰো• - - - | भा - र्जा ना | भा - - - I I at না না **ા** ના · ক্ \* শো • 71 যু প হো 5 I मां र्ज़ र्न्जर्मा ना | नधा - नधा ना - । मा - । - नाः - - धः | नधना - मना जा - नमा II ল ভি রা• ভো যা •• রি • আ • লো• ना - ना -! | र्जार्जा जी ना | र्जा - ! - ! I পা না 리 | ৰে কো ৰে न का • \$ ৰে! বা 41 र्मार्मार्मा - | भा - । - । मा | भा - । - नर्मा - त्रेमा | द्वा - । - । - | } I মি লা ৰে ধ • ন ન ₹

- I লা লা না | সা । । সা | সা রা সরসা ণা | ধা ধা পা রা I ভোষারি • পু • ণ্ণ আ লো কে • ব সি রা •
- I রা রা মা রা | মা । পা । | মা ৷ ণাঃ ধঃ | পধপা মগা রা গসা II

  সুবারে বা সি ব ভা • কো• হে •
- II {রারারারা| রা-া<sup>র</sup>পমা-গরা| রাগারাসা| <sup>স</sup>রা-া সা-া I পর শ ম ণি • র • • প্র দী প ভো মা • র •
- I রা রা মা মা | পা -া ধা -ণা | ধণা -র্মণা -ধপা -ধা | পা -া -া -া I অ চ প ল ভা • র • জ্যো• •• •• ডি • • •
- I না না না | সাঁ -না সাঁ -া | সাঁ নস্রা সাঁ ণা | ণধা -পধা পা -া I সোনা ক'রে ল • বে • প ল•• কে আন মা• •• র •
- I মা মা মা মগা | <sup>র</sup>গা -1 -রা সা | রা -গা -রগা -মগা | রা -1 -1 -1 } I স্কুল কং ল • ড্ক. কা • • • লো • • •

- ो ना ना ना ना | र्रा -ना जा -। | र्जा नर्ज्ञा जा गा | गा -था र्ज्ञा -थणा İ चा मा व घ द्व • व • धं वा• द्व नि व • द्व • • •

#### কেদার। তেওর।

আমার বিচার তুমি করে। তব আপন করে।

দিনের কর্ম আনিমু তোমার বিচারঘরে॥

যদি পূজা করি মিছা দেবতার, শিরে ধরি যদি মিথাা আচার,

যদি পাপমনে করি অবিচার কাহারে। 'পরে,

আমার বিচার তুমি করো তব আপন করে॥

লোভে যদি কারে দিয়ে থাকি তুখ, ভয়ে হয়ে থাকি ধর্মবিমুখ,

পরের পীড়ায় পেয়ে থাকি স্তুখ ক্ষণেক-তরে—

তুমি যে জীবন দিয়েছ আমায় কলক্ষ যদি দিয়ে থাকি তায়,

আপনি বিনাশ করি আপনায় মোহের ভরে,

আমার বিচার তুমি করো তব আপন করে॥

[ना नदा ध्रेपा পা: -ম: ] পা -1 | (পা II { পা मा -1 মা মা । মা পা সা রা তু মি আ বি • 51 র বো মা র धानार्भा ना -धशा रिकाशा -धा)} ाना ना जा रिकाशा निवाद कर माना रे • • भिन्ति त्र রে• র আ প ন মগা পা - | ক্মপা -ধনা [ ] [ जना जा ता जा: -नः | जा मा l जा मा নি অ[• Ð (3) 4 41 র 1 51 র • ঘ र्मा I देश मा र्मा | र्मा - | र्मा - । । -1 -1 II {위 비 위 | <sup>위</sup>제 -비 | 제 य पि भू রি ম 41 75 51 (W र्मा -न। ना निर्मा -धा धः না - | সাঁৱা | न। 5 গ্ৰ 13 ·W থা সা 4 য (4

- ा था প। भा । भाः -मः । यथा भा । मा गा मा । ताः -मः । मा ना । ्य मि भा भ • म त्व क वि क वि • চा व्
- I সা মা মগা | পা -1 | আপো -ধনা [ ] l কা হারো• প • বে• ••
- -१-11 { ज्ञाजा | मा-१ | मामा | जा भा व्यवा | भा -१ | भा भा | • व्याद्ध वि व्यव
- l ক্ৰা পা ধা । ধাঃ -ণঃ । ধা পা । পাঃ -মঃ <sup>ম</sup>ধা । পাঃ -মঃ । মা মা । ভ য়ে হ যে • খা কি ধ বুম বি • মূ ধ
- । मा मा मगा | शाः ऋतः | यशा -। । मा गा मा | ता -। | मा मा। পরে র॰ পী • ড়ারু পে যে ধা কি • ফু প
- l इंनी जी जी | जी -1 | जी -1 | धी नी -ध | नी -1 | शी दी l कि स्वरूप के कि कि
- া সা না না । ৰসৰ্ম -ধা | ধাঃ -ণঃ } I ধা পা পা | পাঃ -মঃ | মধা পা I দি যে থা কি • ডা রু আমা প নি বি • না म
- l মা গা মা | রাঃ -সঃ | সা -! । সা মা মগা | পা -। | আপো -ধনা ll [] ll ক রি কা প ∙ নারু মোহে র॰ ভ ∙ রে∙ ••

### কালাংড়া। কাওয়ালি

ইচ্ছা যবে হবে লইয়ো পারে॥
পূজাকুত্মে রচিয়া অঞ্জলি
আছি ব'সে ভবসিকু-কিনারে॥
বত দিন রাখ ভোমা-মুখ চাহি
ফুল্লমনে রব এ সংসারে॥
ডাকিবে যখনি ভোমার সেবকে
ক্রত চলি যাইব ছাড়ি সবারে॥

5 I मा - भा मा गा मा - । भा भा I भा ना भन -र्मना मा -1 \$ ল ই লো• 91 5, 51 य (व • इ दि !! { मा -1 मा -1 | ना ना र्जा -1 | र्जना क्षी क्ष्मी र्जा | -र्जना र्जा ना -1 } ! • ৰ• চি ৰা• পু• জা• কুমুমে • ন I ना -र्जना र्जा र्जा | र्जा -र्जना ना ना । पना -नर्जा ना नना । ना -1 भा আ • চি ব' ति • न धु कि • না শে • ভ ব [[ { मा मा मा मा | ना -1 जा जा [ जना -था थंजा जा | जना -जा ना -1 } ] **51** • क्तिन রা • খ ভো মা• • মৃ• ! मा -र्जना र्जा र्जा | र्जा -र्जना मा भा । भना -नर्जा ना -नमा | मा -। भा -मा !! **3** • क्रु • न्न म সা • বে ৰে 9. স [[ रिपा - | पा पा | ना ना ना ना ना ना - अं। अना - अं। अर्जा ना | - र्जना ना ना - | ] য খ নি ভো ভা • কি বে **4**|• • শে र्मार्मा | र्मा-र्मना मा था I शमा - नर्मा ना नमा | मा - । शा - मा | | | P বা •• ই 51. ব ডি **7** •

## মিশ্র বাহর। যৎ

একমনে ভার একতারাতে একটি যে ভার সেইটি বাজা—
ফুলবনে ভার একটি কুসুম, ভাই নিয়ে ভোর ডালি সাজা॥
যেখানে ভোর সীমা সেথায় আনন্দে তুই থামিস এসে,
যে কড়ি ভোর প্রভুর দেওয়া সেই কড়ি তুই নিস রে হেসে।
লোকের কথা নিস নে কানে, ফিরিস নে আর হাজার টানে,
যেন রে ভোর হৃদয় জানে হৃদয়ে ভোর আছেন রাজা—
একভারাতে একটি যে ভার আপন-মনে সেইটি বাজা॥

	5			ર					•				9			11	
11	{ ના	-1	পা	মা	-1	म्।	-1		মা	-1	প্র		211	-241	भा	জ্ঞা	I
	এ	ক্	ম	নে	•	ভো	ৰ্		এ	ক্	তা•		রা	•	ভে	•	
ì	মা	-1	ৰ্সনা	সা	-1	বা	-ধা	1	भा	1	স্বা	ন	ৰ্ম!	–র্রা	সা	-ধা }	1
	এ	ক্	• তা	বে	•	তা	ষ্		শে	J <b>o</b> ₹	টি	ব	•	•	জা	•	
I	{ ના	-1	ন!	ৰ সা	-1	र्मा	-1	1	না	-1	র্বা	1	র্গা	-130	ৰ্সা	-1	I
	ফু	ল্	ব	নে	•	তেগ	ষ্		. ଏ	ক্	টি •		<b>₹</b>	•	স্থ	শ্	
ı	নসা	-র্বা		1	44	-1 &	u -	1	9			1	ণা	-1	र्गा	-1 }	11
	<b>७</b> ′∘	र्व	নি•		য়ে	• (3	গ র	Į	ড	1 हि	1 •		সা	•	<b>\$</b> 1	•	
11	{ भ।	ম!	-1	মা	-1	মা	-1	1	মা	ম্য!	-41	I	આ	-1	পা	-1	I
	বে	খা	•	নে	•	ভো	ব		সী	ম।•	•		শে	•	থা	র	
Ţ	भी	পপা	-ধা	ধ	-1	ধা	-না	•	না	স্থ	-র্রা	1	না	-ৰ্মা	ণা	-ধ।	I
	আ	न <sub>.</sub> •	ન્	(T	•	ৰ্	र्र		থা	় মি	म्		এ	•	বে	•	
I	না	-1	না		-1	31		1	র্রা	র	-ন্তৰ্গ	1	র্রা	-1	স্থ	-না	ı
	<b>যে</b>	•	ক	ড়ি	•	ভো	ৰ		2	স্থ	র		CF	જ	য়া	•	

নৰ্সা -র্র। र्वभा | 91 -1 -1 } 1 1 ধা -91 611 ell -1 धा \$ \$ (স॰ **क** ড়ি তু নি৽ স রে হে শে 1 { मा र्शा -1 | र्भा -1 ৰ্গা -मा द्वा । द्वा र्भा -1 –¦र्म र्मा -1 নি লো কে ব 4 স থা নে 41 নে I at र्मा -**। । ন**গ -রা 1 र्भा -র্রা 1 न्। -51 -#i } I ণা यि রি টা স্ নে• • আ ব্ হা 81 র নে -1 1 1 1 91 -1 ना -1 ণা -91 811 -1 -1 1 9 ध ধা মা ব टय • য় न বে • ভে1 হ Ħ 4 নে I या -ভা মা ধা 21 -ধা মা -811 মা -1 পধা -61 ell -1 } 1 ব ছে ন হ V বে • ভো আ রা ০ **6**1 1 4 र्भा - । ना - । त्र्मा , -र्मा -193 र्मा -1 না না র্বা -1 1 91 রা (3 **क i** Ø ক • Ø যে ব 31 I য়া 21 -1 | পা र्मा | नर्मा -र्जा मा -धा ।। ।। मा -1 -1 21 -1 TG \$ বা৽ • 551 • আ 9 ন ম নে • (স

# বাহার। ধামার

এত আনন্দধ্বনি উঠিল কোথায়,
জগতপুরবাদী সবে কোথায় ধায়॥
কোন্ অমৃতধনের পেয়েছে সন্ধান,
কোন্ স্থা করে পান।
কোন্ আলোকে আঁধার দূরে যায়॥

	>۲				•		2		•			•			
11	{ ধা	-1	-97	9	u: -z	:	মা -1		বা	পাঃ	- <b>≱</b> 1.	মা	<u>-खा</u>	छ्य -1	J
	4	•	•	7	5 •		আ •	•	नन्	Ħ	•	44	•	নি •	
1	মা •	f1 -	۱.,۱	ধা	-1	-41	পা	পা	-স্বা	-না	j -	र्त्तर्भा -	নৰ্সা -ণা	ধা }	1
	\$	री	•	न	•	•	কো	ধা	•	•		• •	• •	म्	
1	ধা	ধা	-1	ধ	1 -1	1	। ना	1	না	-1	-र्भा	मा	-1 :	र्मा मा	1
	4	প	•	Q	•	•	र् ब		বা	•	•	সী	•	স বে	
I	র্বা	-1 -	- jezí	र्भा	ধা	-6	1 -91	1	পা -:	ৰ্মা -	না	-র্না	-নৰ্গা -	ণা –ধা	П
	<b>C4</b> 1	•	•	পা	•	•	4		41	•	•	• •	• •	॰ সু	
11	{ *	-1	-না	1	না -1	-1	-34	1	ৰ্সা	স্	र्भा ।	र्भा	-না -:	ৰ্দা ৰ্দা	Ţ
	বে	•	<b>ન</b> ્		অ •	•	•		¥	Ø	4	নে	•	॰ র	
1	না	র্বা	-1	1 -	-1	-86	ৰ্য স্থা	:	না -	ৰ্সা	-রসা	91	-1 -8	n -1}	I
	শে	য়ে	•	•	•	•	æ		স	•	• ন্	ধা	•	न्	
I	41	-1	-1	1 -	1 -1	ধ	পা	1	मा	ভর	-1	म्।	-1 %	াঃ -ধঃ	1
	কো	•	•		•	7	স্থ		ধা	•	•	<b>क</b>	• (	র •	
l	ৰপা	-1	-1	1	-মা -	1	-खा	-1	~মা	-1	-1	-রা	-1	–সা -1	1
	41	•	•		•		•	•	•	•	•	•	•	• न	

- i ধা -1 -1 | ধা -1 | -1 -1 | সাঁ -1 -রা | রাঃ -জরঃ -সাঁ -1 i কো • ন্ আ • • • লো • • কে • •

### হাষীর। চৌতাল

এসেছে সকলে কত আশে দেখো চেয়ে-হে প্রাণেশ, ডাকে সবে ওই তোমারে॥ এসো হে মাঝে এসো, কাছে এসো, তোমায় ঘিরিব চারি ধারে॥ উৎসবে মাতিব হে তোমায় লয়ে, ভূবিব আনন্দ-পারাবাবে॥

পকা 11 ধপা भगा । -মগা **(**₹ • (স • -421 -441 -**F**1 নধা थना না **§** 2 <u> আ</u> • ८म• মগা -11 পক্ষা -421 মগা ধপা রা -পর্মা -মরা রনা -রা বো• (50 স্থে (ই • প্তা৽ (90 সা রঃঃ -সঃ সা -1 মা -श्रभा I ড1 **(**季 বে 5 ] পনা নধা -ৰ্সা -নধা ধা -91 (31 ম:• ব্লে II भभा স্ধা স্না -**স**1 ৰ্মা र्मा -র্না र्मा -1 -1 এসো (হ • (4) শে কাছে I স্না -र्त्रभी সা -ধনা সা 41 41 -ধা --91 ۹. সো

मशा | भा -1 | -1 | -मा पमा | -मा -मा -मा 1 ৰি• द • • ৰি• I नर्जाः -र्जः | र्ज्ञा मिना | -र्जा था | -ना भक्ता II • রে • "**এ** •" রি॰ ধা• 5 र्मधा | -मा मा | -1 मा | मना -र्ज़मा | मा -1 | -1 ममा I ।। भभा • মা • ডি ব• •• হে • ভোমার উৎস ৰে• -र्जर्भ | र्जा -। | ना पना | -र्जा ना | क्षा -शा | -। -। I I প্ৰা त्य • ডू • • विव • • • **7** • • • मना | भा -1 | -1 -1 | -ना -4ना | -र्जा -ना | -धा -भा l I মগা **W** • • • আ• નન I नर्जाः '-र्दाः | र्दार्जा र्जना | -र्जा धा | -भा भक्ता II II

বে

পা, • রা•

বা•

# মিতা হাষীর। রূপক্ডা

কত অন্ধানারে জানাইলে তুমি, কত ঘরে দিলে ঠাই—
দূরকে করিলে নিকট, বন্ধু, পরকে করিলে ভাই ॥
পুরানো আবাস ছেড়ে বাই ববে মনে ভেবে মরি কী জানি কী হবে—
নৃতনের মাঝে তুমি পুরাতন সে কথা যে তুলে বাই ॥
জীবনে মরণে নিখিল তুবনে যখনি যেখানে লবে
চিরজনমের পরিচিত ওহে তুমিই চিনাবে সবে।
ভোমারে জানিলে নাহি কেহ পর, নাহি কোনো মানা, নাহি কোনো ডরস্বারে মিলায়ে তুমি জাগিতেছ দেখা যেন সদা পাই ॥

11 भार्मा र्मना | पनाः - सः | भक्ता पभा - । । भाक्ता भक्ता | भा - मभा | मा मना - सा 1 • না• রে • জানাই• লে • • 41 I था थना था | भा -त्रा | -जमभा मा जमा I ता -1 -जता | -मा -1 | -1 -1 I ক ত॰ ঘ রে • ••• দি ৰে• ঠা • •• I जा-मा मा | मा मा - जा - भा I भा भा भा | भाः - काः | यभा - 1 - 1 मृद्भाक क दि । नि क ট ৰ ન I धना - मर्जा मां | मां मां - । - नथा I धना - धना - मना - । - । - थना - कना - । II **१० • द्रांक क द्रि ए। • • •** 51. II { शका था शा | ना -1 | ना -1 -1 । र्जार्जार्जा | -त्रंजी -नधना | ना र्जा-1 । পু• রাবো আ • বা • দুছে ড়ে বা • • • ই I ना नधा ना | नाः -धः | ना ना -। । ना र्जा र्जा | र्जाः -नः | धना धना -कना } I • महि• की जानिकी • ম নে॰ ভে বে

- l পকল। ধা পা | মা -মগা | মা পকলা -ধপা l মা মগা মা | রা -না | न্রা সা -1 l নু• ড নে র •• মা ঝে• •• তু মি• পুরা • ড ন •
- ] সা শনা না | না -গণা | পথলা পা -া । জনপা -ধনা -স্রা | -স্না -সা | -া -া -নধা [ ] । সে ক থা যে ০০ ভূ০ লে ০ যা০ ০০ ০০ ০০ ১ চ
- II { স! সা শমা | মা -1 | মা মা -1 পা ! পা পা পা | পা -1 সা | জধা <sup>ধ</sup>পা -1 ! জীব নে ম • র শে •• নি ধি ল ভ • ব নে •
- ा थानाना | थना -था | थनाना -था [ था -शा -मा | मा -1 | -1 -1 -1 | यथ नि द्य . • व
- l মা মা মগা | পা । | পকলা ধপা । । মা গা গমা | রা না | ন্রা সা । । চির জাণ ন • মেণ র • প রি চি ড • ও হে •
- I সা সা –মা | মা মা | মা –গা –গা | পা –না –ধা | ধনা –া | –ধা –গা –1 } I তুমি ই চি না বে • • গ • বে • • •
- }{পক্ষাধাপা|না-| নানা-| সঁর্রার্গা|র্সো-নধনা| সা-| -| I ডো• মারে জা• নিলে • নাহিকে হ• ••• প • ব্
- l না নধা না | নাঃ -ধঃ | না না -া l না সাঁরা | সাঁ -নধা | খনধা -পা -া } l না হি॰ কো নো ॰ মা না ॰ না হি কো নো ॰ ॰ ড ॰ ব
- I পকলাধাপা। মা -মগা | মা পকলা -ধপা ! মা গা গমা | রা -ন্ | ৰ্রা সা -া I সংবারে মি •• লারে• •• তুমি জা• গি • ডেছ •
- ু সাম্মামামা-গণা|পক্ষাপা-। কুপো-ধনা -স্রা|-স্না-সা|-। -। -নধা II [] II দে ধায়ে ন ০০ স০ দা ০ পা০ ০০ ০০ ০০ ০০ ০১

## বেহাগ। ঝাঁপভাল

কী ভয় অভয়ধানে, তুমি মহারাজা—
ভয় যায় তব নামে ॥
নির্ভয়ে অযুত সহস্র লোক ধায় হে,
গগনে গগনে সেই অভয়নাম গায় হে ॥
তব বলে কর বলী যারে, কুপাময়,
লোকভয় বিপদ মৃত্যুভয় দূর হয় তার।
আশা বিকাশে, সব বন্ধন ঘুচে,
নিত্য অমৃতরস পায় হে ॥

>´ II সা কী	र्मा ভ	1	२ ना इ	<sup>4</sup> না অ	পা ভ	ı	• मश्री इ	মা ধা	1	ত গা মে	-1 •	-1	1
I সা তু	-1	•	<sup>স</sup> পা মি	-1 •	মা . ম	1	গা হা	-1	1	গা রা	<u>-</u> সা	সা জা	I
! সা ভ	मा व	I	গা যা	-मा •	পা র	1	<b>স</b> ্ ড	र्मा व	I	না না	- <sup>4</sup> न  •	পা মে	H
II { পা , ਜਿ	-1 ब्	1	र्मा फ	र्मा (ब	र्भा	1	ৰ্শা যু	र्जा ख	j	र्मा न	र्मा इ	र्गा ख	1
I র্সা শো	-ৰ্গা •	1	-र्जा •	-र्या •	ৰ্গা ক	1	र् <u>दी</u> श	<u>-</u> ना इ	1	ৰ্শা হে	-1	-1 } •	I
I { <b>স</b> 1	र्जा গ	1	र्मा त्न	-1 •	<b>স</b> 1	I	र्मा १	ৰ্শা নে	1	ৰ্গা শে	-1 •	-1	I

Ì	না অ	না ভ	1	ধ। इ	না না	না য	I	না: গা	- <b>धः</b> म्र	1	পা হে	-1	-1 } I
I	{ সা ভ	<b>স</b> ন্  ৰ •	I	সা ব	গা লে	-1 •	1	গা ক	মগা র •	I	রা ব	গা শী	-1 I
I	গা যা	-মা •	i	মপা রে	-1 •	মা ক	I	গা পা	-1	1	গা ম	গা স্থ	-1 I •
I	পা লো	পা ক	1	পা ভ	পা	পা বি	1	পা প	পমা দ •	ı	মা য	-1	গা <b>I</b> তু
I	গা ভ	মা য	ı	পা দূ	-1	মা র	1	গা হ	গা ৰ	1	<sup>র</sup> সা ভা	-1	जा } <b>!</b> इ
I	{ পা আ	-1 •	1	শৰ্মা শা	-1 •	ৰ্সা বি	I	ৰ্গৰ্সা কা	-1 •	1	ৰ্সা শে	-1	-1 I •
I	र्मा न	र्मा व	I	ৰ্শৰ্মা বন্	र्जा ध	र्मा न	1	না ঘূ	-পা	1	না চে	-1 •	-1 } I
1	স্গা নিং	র্বা ভ	I	ৰ্বৰ্ম। অ	ৰ্গা শ্ব	র্গর্গ ড •	١	ৰ্সা ৰ	र्म। न	<b>া</b> পা		-4ना इ	পা II II হে

#### বেহাগ। যৎ\*

কেন জাগে না, জাগে না অবশ পরান—
নিশিদিন অচেতন ধূলিশয়ান ?।
জাগিছে তারা নিশীথ-আকাশে,
জাগিছে শত অনিমেষ নয়ান ॥
বিহগ গাহে বনে ফুটে ফুলরাশি,
চন্দ্রমা হাসে স্থাময় হাসি—
তব মাধুরী কেন জাগে না প্রাণে ?
কেন হেরি না তব প্রেমবয়ান ?।
পাই জননীর অ্যাচিত স্নেহ,
ভাই ভগিনী মিলি মধুময় গেহ,
কত ভাবে সদা তুমি আছ হে কাছে,
কেন করি তোমা হতে দুরে প্রয়াণ ?।

গপনা মপা !! { গাঃ -রঃ | সা না | সা -মা | গা গা | (পক্ষা পক্ষা | পক্ষা ধপমপা | গে না গে না জা গপমা মপা) } I {পা পা | ধণদা ণধা | পধপা মপা F নি FROU রা **₹**4 **न** • **(5°** গমা মা মপা ना -त्रना গপমা ধৃ • 4 রা

<sup>\*</sup> অধিকাংশ হিন্দুস্থানী গানে এই তালে চৌদ্দ মাত্রার ব্যবহারই দেখিতে পাওরা যার। অথচ অনেক বাংলা গানেই ইহাতে আট মাত্র ব্যবহৃত হইরা থাকে।

```
िधना -भा
```

- 11 (शा | ना नर्मा | र्माः -नः | र्वमा । र्मा मा । नर्मर्रमा भा । ना -थशा । জা • গিছে• রা • নি শী **©1** • থ ••• আ
  - -धनर्मना रे रिर्मा -र्मा | वर्षा मा । ना पत्रा | भा था । नथा -र्मनथा I পৰা গি • ছে A মে• • • • C4. **e**1 • ৰ ত অ
  - মপা গা কুগা গপমা মপা II "কে॰ **ন**•" य•• न• রা ন
- II { 커 커 | 커 커 커 커 | -1 어 | 어 | 어 | 어 | I 이 커 | 이 보이네 | 어보에 파어 | 에 -1 I বিহ গ গা • হে ব নে৽ ফুটে ফুল•• রা৽৽ • • শি •
- I গা -1 | গা গা | গমা গমপমা | মগা গা I গমা পমা | মা মপা | গা রগার | সা -1 } I চন জ মা হা॰ ৽৽৽৽ সে৽ অ ধা৽ ৽৽ ম য়৽ হা ৽৽ সি ৽

[ धना ]

- I { शा शा | नाः -र्मः | र्मा र्मा | र्मना वर्मा ! र्मा -। | नर्मर्वमा र्मा | ना -धशा | • ধুরী কে• মা জা • সে••• ব न না প্ৰা
- भना -धनमंना रे मा -र्गा | व्रमी मी | ना पना | भा धा I नधा -र्जनधा ! কে • ন • হে রি (90 . . . . না ত ব (2i.
- | প्रथम। मन। | गा <sup>-ब्र</sup>गा | गनमा मन। II "কে∙ ন∘" ম॰৽ ব৽ সান্
- Il { 돼 | | 파어! 어! | 어! 어! | 어! 어! | 이 4이 # | 이 이 이 바 | 어! 어! | 파어! | भा · • हे का न नी द्राधा হ∤ •• ि 3. (300
  - -1 [ 371 -1 ] গপমা মপা 1 গা গা ! গা গপমা মগা -1 গা 3 গি • नी• মি F Ś ছ • €1 4 .

[ 441 ] | মা মপা | গা -রগা<sup>র</sup> | সা -1 } I {পা পা | না নর্সা | হ • ক ড ভা বে• স 7 **4** • গে -ধনস্না } I | र्जना वर्जा | जा - | नर्जर्जना जा | ना - थथा | शना তু• মি আ • ছ••• হে **क**1 **Æ•** I जा जिंगा | त्रजी जी | ना पना | ना धा I नधा -जनधा | नधना मना | क • রি ভো মা হ ডে দু∙ ∙∙• কে ন• | গা বগা | গপমা মপা II II ন•" রা প্ "কে॰

# সিকুড়া। ঝাঁপডাল

কেমনে রাখিবি ভোরা তাঁরে লুকায়ে চন্দ্রমা তপন ভারা আপন আলোকছায়ে॥ হে বিপুল সংসার, স্থুখে দুখে আঁধার, কত কাল রাখিবি ঢাকি তাঁহারে কুহেলিকায় আত্মা-বিহারী ভিনি, হৃদয়ে উদয় তাঁর—
নব নব মহিমা জাগে, নব নব কিরণ ভার॥

	5				2				•			9		1	
11	{ त्रमा	-ख	1	3	1) 3	41	রা		ના	म		রা	–মা	भा	I
	7	•			ম (	<u>.</u>	রা		ৰি	বি		ভো	•	রা •	
I	र्मा	-41	1	ধা	-পা	ধপা	1	মা	-পধ	भा	1	468	-1	শরা	} I
	<b>তা</b>	•		a	•	न् •		কা	•	• •		ৰে	•	•	
I	মা	91	ı	मा	-र्मा	ৰ্শা	ı	र्मा	3	ſi	ı	ৰ্সনা	-ৰ্সা	ৰ্শা	I
	<b>ठन्</b>	ঞ		মা	•	æ		প	;	ন		ভা•	•	বা	
I	ৰ্শৰ্মা	শ	1	ধা	-পা	ধপা	1	মা	প	ধপা	1	म्खा	-ভঙ্গা	রা	IÍ
	আ	শ		ন	•	জা•		শো	ৰ	F••		F	• •	CT	
II	{ ক্লা	-1	I	মা	মা	শা	1	পা		-1	l	পমা	-911	পা	I
	C₹	•		বি	<b>બ્</b>	<b>a</b> l		স		œ́.		সা•	•	র	
l	পমা	পা	I	ধাঃ	-e :	পা	ı	मा	_1	পধপা	I	মা	<u>-स्का</u>	ख	l
	স্ •	C4		ছ	•	ধে		ঝা		• • •	*	ধা	•	র	
1	ख	ভা	١	खख	i -	মা	রা	1	রা	রসা		7	n -1	সা	I
	<b>₹</b>	4		ক1•		म्	রা		ঝি	ৰি•		1	গ •	कि	

4}1 পা পশা -91 - 1 91 मा । मृ সা द्रा -यदा **\*1**• P T, Œ Ŧ কা ₹İ বে • • ર્ગા শা र्गा । 1 -1 र्भा -1 না ١ ना 1 { मा -91 1 নি बी वि E আ ত্থা र्गर्जर्ग। 1 위 } I 4 -41 ৰ্শা 1 না I र्मना র্বা -1 मी র • • তা 4 \$ W C **5** • प मा 1 -र्भा র্বা तर्गा 1 र्मन्ना र्वर्भ) ١ র্বা র্না 1 রা I 91 মা • **4**1• গে হি ৰ ম न 4 ৰ • -वा 11 11 ৰ্ন্বা পধপা 1 **ৰ**ভৱ -छाम 1 মা I 91 -1 भा थभा ध ভ Ą **[** 4 . . ન ৰ র 7 ব

## স্থাট। ত্রিভাগ

কোখা হতে বাজে প্রেমবেদনা রে ! ধীরে ধীরে বুনি অন্ধকারঘন হৃদয়-অঙ্গনে আসে সখা মম ॥ সকল দৈশ্য তব দূর করো ওরে, জাগো স্থাখ ওরে প্রাণ । সকল প্রদীপ তব জালো রে, জালো রে— ডাকো আকুল স্বরে 'এসো হে প্রিয়তম'॥

> রমরা মা মা II {পা -া না না I কো•• খা হ ডে • বা জে

> > ধে

ı I जी - नर्जी जी गंधा | भा मना धभा - मना | - जा ( त्रमता मा मा ) } | मा - जा जा जा जा जा जा जा रक्ष •• म दा• म ना• दा• •• • का•• था हू थी • दा थी दा दू थि मा मा शा -1 সা - রমরা I পा - यथा পा मगा । - मा ता ता অ • ন ধ **ক**†• র ঘ न **হ**•• र्मा মা -নর্বা মগা -রসা রমরা সা ণধা পমা -পধা পা থা ম আ শে 41. ম • 11 { तता नमा ता । -। मा রা म रिप **ન** -1 রা রা সা মা মা | 1 21 গরা -11

বো•

Ŧ

(1

- I থলা -স্পো -লখা -পমা | -খা পা -া -া | -া} মপা লা লা | {সা সা সালা আপা I থা• •• •• • • • • • সকল থা দী প ড• ব
- I স্পা -ণণা ধা পা | মা গমা রা সরা | -সসা} রমরা মা মা । II এ• •• সো হে প্রির• ড ম• •• "কো•• ধা হ"

## বেহার। একডাল

কোন্ শুভখনে উদিবে নয়নে অপরপ রপ-ইন্দু
চিন্তকুস্মে ভরিয়া উঠিবে মধুময় রসবিন্দু॥
নব নন্দনভানে চিরবন্দনগানে
উৎসববীণা মন্দমধুর ঝন্ধত হবে প্রাণে—
নিখিলের পানে উথলি উঠিবে উতলা চেতনাসিকু।
জাগিয়া রহিবে রাত্রি নিবিড়মিলনদাত্রী,
মুখরিয়া দিক চলিবে পথিক অমৃতসভার যাত্রী—
গগনে ধ্বনিবে 'নাথ নাথ বন্ধু বন্ধু বন্ধু'॥

	3				ર				•				•			
11	वना	-धनर्मा	र्मा	1	না	ধপকা	পা	1	পক্ষা	পনা	धना	1	পধা	মপা	মগা	I
	কো	• ন্	4		4	4	নে		<b>₹</b> •	मि •	বে•		ন •	র •	নে •	
I	গা	গা	গা	1	গা	গমা	রা	١	গা	-1	-মা	1	গমপা	-1	-1	I
	অ	প	泵		4	ক্ল•	প		\$	•	न्		ছ ••	•	•	
I	পা:	– আঃ	911	1	পক্ষা	পক্ষা	পা	1	পক্ষা	পনা	ধনা	ı	পধা	মপা	মগা	ı
	ि	•	ত	•	₹•	স্থ •	মে	·	<b>.</b>	রি •	রা•	i	উ •	ঠি•	বে•	
1	গা	গমা	পা	1	না	না	না	1	না	-1	–ধনৰ্সা	1	ৰ্সা	-1	-না	11
	ম	4.	म्		শ্ব	র	म		বি	•	• • ন্		ছ	•	•	
11	· { পা	পকা	পা	1	-1	भा	পক্ষা	1	পা	-1	-আ		<b>ध</b> क्षा -	-পক্ষা	-পা	l
	न	ৰ •	ন		न्	¥	न •		তা	•	•	(	ন•	• •	•	
I	মা	<b>মা</b>	মা	ı	-1	মা	গমা	1	শর।	-1	-গমা	1	গা	-1	-1 }	
-	ि	র	₹	1	न्	₩ ₩	न •	1	গা		• •	1	নে	•	•	

মা 1 -রা মা মা I গা -1 গা 11 গা গা 4 ब \$ 4 ¥ • ব বী 91 ম Ħ 7 -1 -1 I 1 497 পা পা 91 -1 -41 I 21 -1 পা 91 (9 ₹ €. ভ ₹ বে প্রা কৃ না I ١ নধা 1 91 ना না I পা মা 91 91 মা 11 পা ঠ• 3 गि বে \$ থ नि থি (7 র 91 নে -1 I রদা र्मा FÍ 1 ৰ্সা ৰ্শা ৰ্গা -1 --ধপা I র্বা সি Ð ન ধূ• ত লা **C**5 **5** • 71 ١ र्ज्ञ म् -1 I 1 ৰ্সা -1 -না -1 I 91 পা भा না না ना (d) গি হ বে রা • য়া র • क -1 } [ ৰ্সনা নর্বা ৰ্সা ना -491 -1 र्मा र्भा र्मा -1 না I ত্ৰী ਭ ° ਜ বি মি• नि Ģ H 1 { मा मा र्मा र्मा -भा - 1 -1 र्भा 211 পধা था 1 মা 71 30 थि বি দি ক্ মৃ রা বে 9 ক্ থ 5 -441 र्भा -1 } 1 I না না না -1 -1 গমা 511 211 91 बी র য়া • मृ **5** • স ভা 5 অ 2 ৰ্গা ৰ্গা 1 2/1 1 ৰ্গৰ্মা ৰ্মা -ৰ্গা -1र्श স্না 1 I স্য ৰ্গা নি নে বে না• গ গ ধ্ব থ ना 4 . I রা र्भा সা -গা শনা -র্বা 1 না -1 -পা -1 -1 II II न ન્ Ã ન ğ 4 ব ৰ য Ŋ

মিল্ল গণকেনী। নবপঞ্চান
জননী, তোমার করুণ চরণখানি
হেরিমু আজি এ অরুণকিরণরূপে ॥
জননী, তোমার মরণহরণ বাণী
নীরব গগনে ভরি উঠে চুপে চুপে ॥
তোমারে নমি হে সকল ভ্রনমাঝে,
তোমারে নমি হে সকল জীবনকাজে,
তমু মন ধন করি নিবেদন আজি

ভক্তিপাবন তোমার পূকার ধূপে॥

- ১´ ২ ৩ ৪ ৫ । II সার্সনা | সা-া স্নাদা | -পদাদপাপমামগা | গাঞ্চাগামা | মা-া -ঞা সা । জ ন ॰ নী • ভো• মা • • র • ফ • ফ • প চ র প খা • • নি
- I সাঝা | মা মা মা মা মা পা ণদা দপা | পা পা -পা -ছৱা | -পা ঋা -। সা II হেরি হ আ জি এ অ ক ণ - কি - ব ণ - ক - পে
- II {মা পা | ণদা -1 না স্না | -1 স্না স্না স্না দা না স্না | ঋা -1 স্না -1 } I জন নী • ডোমা • র ম র ণ • হ র ণ বা • শী •

- !{ मा भा | गमा गमा ना र्जा | र्जा र्जा र्जा र्जा ना | ना आर्था ना आर्था ना | ना आर्था ना आर्था ना | ना आर्था ना आर्था ना | ना आर्था ना आर्था ना | ना आर्था ना

Control of the Contro

## মিশ্র সাহানা। একভাগ

কীবনে আমার যত আনন্দ পেয়েছি দিবস-রাত
সবার মাঝারে আজিকে ভোমারে স্মরিব জীবননাথ ॥
বে দিন তোমার জগত নিরম্বি হরষে পরান উঠেছে পুলকি
সে দিন আমার নয়নে হয়েছে ভোমার নয়নপাত ॥
বারে বারে তুমি আপনার হাতে স্বাদে সৌরভে গানে
বাহির হইতে পরশ করেছ অন্তরমাঝখানে ।
পিতা মাতা ভাতা সব পরিবার, মিত্র আমার, পুত্র আমার,
সকলের সাথে প্রবৈশি হৃদয়ে
তুমি আছু মোর সাথ ॥

	> .			<b>ર</b>			•		•	ı
II	{ মা	রজ্ঞ	রসা	সর	ন্দা -ন্য	দর৷	রা রা	রা	রসা	-রা রা I
	बौ	₹ •	নে•	আ •	মা॰ •	• ব্	য ড	আ	ন •	न् ज
I	রা	রপা	পা	পা পা	পধা [	মপা	-মপধপা	-মপা	মা	-छ्डा -1 } I
	পে	C∄•	<b>E</b>	मि व	স •	রা •	• • • •	• •	•	•
I	মা	ভ্তমপা	পা	পা	শা পধপা		মা পা	পৰ্দা	र्मा र्म	। নগর। I
	স	ৰা • •	ब्	मा व	क्षा दन् • •		আ জি	(4	তো ম	া রে••
I	ৰ্সণা	পা	41	ধা পা	পধা	মপা	-মপধপা	-মপা	মা	-छ्डा - II
	ন্ম •	রি	ৰ	জী ব	ন•	না•	• • • •	• •	थ	• •
II	{ ના	না	-1	না না	-ধনৰ্সা	1 :	ৰ্সা ৰ্সা	र्मा	ৰ্সা	ৰ্মা ৰ্মা I
	বে	मि	ન્	ভো মা			জ্ গ	ড	নি	র খি
I	স্না	ৰ্সা	र्मा ।	র্বভর্তা র	र्मा मा	ন	। নগর্রসা	ৰ্সণা	পা	ধা পা} I
	₹•	কু	বে	প •	য়া• ন	ङ	φ	(ۥ	2	ল কি

र्भा मा नर्मा 9 म -491 91 -1 | 21 **(E**•• CT ₹ া মা ভ্রমপা নে 4 न • বৃ মা আ F . . ન শে -1 11 -ख মা -মপা -মপধপা মপা - 1 পধা পা ধা 41 I र्जना 3 910 न 짂 তো• মা 91 I 21 -1 91 21 পা ख्यभा মা মা 1 (ভ মা गा **₹**1 II { 제 ব না 9 আ মি • • তু ্বে বা বা রে -1 I -1 र्भा -र्मा -1 1 না ধনা ধা -1 ধা ধা I 91 নে গা (5. র সৌ CH স্থা मा । রা 1 রা ভ্ৰমা ख ख ١ মত্তা পমা মা মা মা 1 4 Ę 4 বে র 4 . ₹• তে• ₹ হি র বা -1 } 1 -**स्व** ম –মপধপা -মপা মপা 911 ধা া সা -91 নে 41. মা ঝ • র ন 4 অ -1 1 र्मा र्मा ৰ্সা 1 ना -1 ধনৰ্গ। না না না 1 { ना না ৰ্ বা রি 9 স ব্ তা•• বা তা পি মা 10 -위 } 1 91 ধা -नमंत्री मंगा -मा । नर्गा त्री त्रंड्डी সা र्माः -48 মা 3 আ of . ৰ্ মা আ• O মি • নুস্রা 1 ৰ্সা ৰ্মা পর্সা পা মা পধা পা -1 91 (¶•• া মা 91 Ŗ M 4 (ৰ থে• 2 সা ৰ্ লে ᡇ স -1 11 11 मा -खा -মপা –মপধপা পধা | मथ। 91 41 1 र्मना 91 e সা • র ৽ যো Ę মি আ কু•

## সাহানা। ঝাঁপডান

ভেকেছেন প্রিয়ন্ত্বম, কে রহিবে ঘরে।
ভাকিতে এসেছি ভাই, চলো ঘরা ক'রে॥
ভাপিতছালয় যারা মুছিবি নয়নধারা,
ঘুচিবে বিরহভাপ কত দিন পরে॥
আজি এ আকাশমাঝে কী অমুত্রীণা বাজে,
পুলকে জগত আজি কী মধু শোভায় সাজে!
আজি এ মধুর ভবে মধুর মিলন হবে—
ভাঁহার সে-প্রেমমুখ জেগেছে অন্তরে॥

11	১´ ধা ডে	ধা কে	I	২ ণা ছে	-ধণা • •	मा न	1	• পা প্রি	পা য়	•	ভ পমা ভ •	-পমা • •	॥ পা म	I
I	ধা কে	र्मा इ		ধাঃ হি	-위: •	পা বে		মা ঘ	-পধা • •		<sup>মপা</sup>	-মা •	- <b>छ</b> ा •	1
I	জ্ঞা ডা	ভৱা কি	1	<u>ख्</u> वा ८ड	-র <i>ভ</i> র	মা রা • এ		র বে	_		সা ভা	-1 •	7 %	I
i	রা চ	মা লো		মা ত্ব	-1 •	মা রা		পা ক'	-ৰ্সনা • •	1	ৰ্সা ন্নে	-41	-ধা •	H
II	{ মা ভা	<b>જા</b> જિ	1	না ড	-1	না হ	1	र्जा प	र्मा इ	1	ৰ্স1 যা	-1	ৰ্সা ৱা	1
I	ना म्	র্বসা ছি•	١	ৰ্বা বি	-ৰ্সনা • •	না ন	1	ना इ	र्मर्त्र। न •	1	ৰঙ্গা ধা	-41	ধা } রা	I

পমা -পমা পা 1 পা 211 মা া ধা .41 -ধণা ধা প **©1**• হ বি 1 বে TБ যু -মা -ড্ৰ I मश्रा -পধা মা र्मा ধাঃ -98 পা I & রে पि 위 न Ð, ক -1 I -1 রসা সা রা রা ı -রজ্ঞমা ভতা জ ভত্ত ₹ 5. 31 দে ক ভে এ ডা -81 II ৰ্গা -67 1 1 পা -স্না মা **া** রা মা মা -1 . : ব্নে ক' • রা 5 শো ত্ত্ব পা I 1 পা 91 পমা -পমা মা -ধা পা 21 ·I { মা বে \* মা• . . 1 **P** আ আ Q I **e**31 मश्रा -মতঃ পধা মা I ধা স্ ধাঃ -M: পা ভ : বী 910 . . (4 বা ক অ মু मा I 1 সা -1 1 -রা রা রসা I জ্ঞা **E**3 -রক্তমা खा 9 ত্মা গ ত ৽ (₹ જ્ পা } I 1 21 -1 21 -1 মা -ভ্ৰমপা I রা মা ম সা ₹ (ख কি C41 61 ম ধু र्भा I ١ र्भा 71 र्मा -1 1 -1 ना I {和 পা না বে র ভ ধ 10 ম ঙ্গা g • धा } I না সর্রা नर्भा -91 -ৰ্সনা না 1 রসা 1 র্বা I না বে মি ð न • ₹ র **4** • ম্

1 1 পমা M I 케 21 1 মা I 41 ধা ণা -491 –পমা **भू** •े ম তা র শে প্ৰে থ হা • • 1 পা -মা -পধা মপা -মা –ভরা I I 41 সা भाः -910 বে পে অন 9 (জ CE • রসা 1 সা -1 -1 I ख রা রা ভত্ত -রভ্তম **G**3 • ₹ ছি• কি শে ভা ভা েত g -ना - -धा ।। ।। -প্ৰা 1 र्मा মা ľ 91 I রা মা মা -1 ₹, রা রে Б লো 4

## আসাবরি। ত্রিতাল

তব অমল পরশ্বস, তব শীতল শাস্ত পুণাকর অন্তরে দাও।
তব উজ্জ্বল জ্যোতি বিকাশি হদয়মাঝে মম চাও॥
তব মধুময় প্রেমরসস্থান্দরস্থান্দে জীবন ছাও।
ত্তান ধ্যান তব, ভক্তি-অমৃত তব, শ্রী আনন্দ জাগাও॥

প। ! । । या भग भा र्मा। पना ना भा भा । गा मा भा नभा । भमा ত -1 -1 -1 제 -1 পা ना ना -मा স! P IN ত বে অ न र्मा र्मा । ना -मा -खंशा र्मा ণদা र्मा -1 তি বি ক† • (জা र्मण | मा - - - - ना পা স -1 51 ম • হ েঝ ম II { मा পা মজ্ঞা মা 91 ન ধ ম প্ৰে भा गा | मगा -1 - मा -1 · | - भा -1 -1 -1 } ! মা পা -1 की न 51 ধে সু **ચા** ৰ্সা পা ণদা 41 र्गा 91 সা -1 91 স্। -1 ত্তি ভ 4110 ব \$ Ŋ -मा -ना 1 -91 M 91 -1 21 91 -1

### পরক। ত্রিভাল

ভব প্রেমস্থারসে মেতেছি,
ভূবেছে মন ভূবেছে ॥
কোথা কে আছে নাহি জানি—
ভোমার মাধুরীপানে মেতেছি,
ভূবেছে মন ভূবেছে ॥

কা: -প: ll { গা -া -া ক্যা | দা না সা সা I ড • ব • • ২েএ ম সূধার

- া শব্দা -া -া -া - গব্দা গব্দাণা আলঃ পঃ 11 তে • • • • • • • ভ • "ড
  - ||-1 -1 -1 | { দা দা -পক্ষা দা | না -1 র্মা -1 ||
     • • কোথা • কে আ ছে •
- i –। না –। সা | ঋসা –নসা না –। } | –। গগা গা গা । एकता –দা না –সা l • না • ছি জা• •• নি • • ভোম। র মা ধু • রী •

গোড়। চোডাল

ভূমি জাগিছ কে ? তব আঁথিজ্যোতি ভেদ করে সঘন গহন ভিমিররাতি॥

চাহিছ হৃদয়ে অনিমেষ নয়নে,

সংশয়চপল প্রাণ কম্পিত ত্রাসে॥

কোথা লুকাব ভোমা হতে স্বামী—

এ কলঙ্কিত জীবন তুমি দেখিছ, জানিছ—

প্রভু, ক্ষমা করো হে।

তব পদপ্রান্তে বসি একান্তে দাও কাঁদিতে সামায়

আর কোথা যাই॥

।। धा धना । भा পমা তু মি॰ জা গি • 5 রা -র্জ্জ र्मा -1 1 27 পা কা · বি (T. ব জ্যো I -ণা -পমা মন্ত 811 -ना -र्मा -ধা € -মা **e**a1 -মা -91 রা স সা সা -রা সা 9 4 তি মি ब्र রা -म्। -সা II -রা তি म्रना -र्भा भी र्मा -1 রা 11 76 र्मा র্না न्त्री 1 (N. হি (3) Б Ħ 1 । भंखा -12 31 ৰ্মনা -রা 71 र्भा न्मा নধা ণধা রা હ્ न নে **7** •

- I - | - व्रा | ना ना II
- -91 ना । जी जी । जी र्मा ণধা -1 - નধা 11 { मा ণধা Ca ₹• মা ব ভো 41 न् কো থা• • •
- ! •। -ম। -প। প। । ম। প। । শর্মা -। । র্মা র্মা -। । বা • • মি এ ক ল ড্কিড •
- I পা পমা | মা –ভৱা | মভৱা –মা | রা −া | সা সা | রা সা জী ব ∘ ন ∘ ডু ∘ মি ∘ দে ধি ছ জা
- l সন্ -সা | সা | সা . সা | রসা রা | পমা পমা | মা -ख्रा নি॰ ॰ ছ ॰ প্র ভু ক • মা ক • রো॰ হে •
- স্। ना । र्भा - । - । र्मा স1 । नधा -1 -1 ণধা স • নুডে 21 ৰ • 9 . म • 7
- I সা সনা | -সা সা | -1 সা | -রসা রা | <sup>ন্</sup>জরা -1<sup>ন</sup> | রসা সা এ কা ন ভে দা ৩৬ কা দি ৫ ডে০ আ
- I अंख्र्डा -मा | त्री भी | भी भी | भी -भी | -मी -सी | -सी -ख्र्डी मा॰ बु च्या त रका था वा ॰ ॰ ॰ ॰ ॰
- । -র্ম | র্ম | -রা | -না -র্ম | l l l l

## মিল রামকেলী। জিতাল

ভূমি নৰ নৰ ক্লপে এসো প্ৰাণে, এসো গন্ধে বরনে এসো গানে॥

> এসো অঙ্গে পুলকময় পরশে, এসো চিত্তে স্থধাময় হরষে, এসে। মুগ্ধ মৃদিত হু'নয়ানে॥

এসো নির্মণ উচ্ছল কাস্ত, এসো স্থন্দর স্নিশ্ধ প্রশান্ত, এসো এসো হে বিচিত্র বিধানে।

> এসো হৃংখে স্থাখে, এসো মর্মে, এসো নিভা নিভা সব কর্মে, এসো সকল কর্ম-অবসানে॥

মা মগা II { মা ণদা ণদা দপা | পা পা দা পা | তুমি ন ব ন ন ব ক ক পে এ সো

5° 3 1

] মা-া-ললা-পপা|মগা-া(মামগা)} না না না না সা সা স্থা। বর্গা না দা পা । প্রা • • • • • • • তুমি • এ গে গ ন্ধে ব • র নে এ সো

I না -া -া -া | -ঋঋা -স্না দা পমা II নে • • • • • "তুমি•"

> ना भा ll { मा - ना ना ना ना ना ना नी र्नक्षा l এ ना च डू रा भू न क म व

- I ৰ্মা না সা -া | -া -া সা রা | ভর্জা -া ভর্জা ভর্জা | মৃত্র্জা খা খা সা I পুর শে • • • এ সো চি ৎ তে হঃ• খা• • মুয়
- I नानार्जा । -र्जा-सानाशा । शा- -। शाशाशाशाशा । इत्र त्व • • • • जाता मृज्य मृ नि ७ इ न
- াদা-া-া-াশ | মন্তরা-াখ্যাসা | সা-স্নাসা স্থা | ব্রানাপা-দা । রা • • • নে • এ সো গ • ন্ধে ব • র নে গা •
- I না -া -া | -ৰ্থকা -ৰ্সনা দা পমা II নে • • • • • "তুমি•"
- I মা -া -গা -পা | মা -পগা গা গা | মা -গা সা ঋ। | গা -মপা মা মা I কা ॰ ॰ ন্ড ॰ ॰ এ সো সুন্দ র লি •গ্ধ প্র
- I গা-ঋা-1-1 | সা-1 (সাসা)} | ঋাসা | { ণা সা দা ণা | সঋা-ছৱা ছৱা মা I

  चা • ন ড এ সো এ সো ৩ সো ছে বি চি ∘ ৎ এ বি
- I ফ্রো-া -ঝা-া | সা-া (সাসা) } | দাপা | {মা-দাদাদা | না-ার্সার্স্থা | ধা• ∘ ∘ নে এ সো এ গো ছুক্থে ফু থে এ সো•
- I र्मना -। সা -। -। -। সা রা | হর্জা -। হর্জা ম ক্রমে ৽ ৽ ৽ এ সো নি ৎ ড ॰ নি ॰ ং ড স ব •
- [ना-1 र्जा-1 | -श्रिमी -र्जना ना भा } | भा भा भा भा | -1 छत च्या भा [ क द्या • •• •• धारा न क न क द्राय च व

I দা –া –াণ | মভজা –া ঋা সা | সা –সঁনা সা সঁঋা | নৰ্সা না পা –দা I সা • • • নে • অ 'সো গ •ন্ধে ব • র নে গা •

ানা া া া । - শ্র্পা - স্নাদা প্রাাা। নে • • • • • • "তু মি•"

## বাউলের সূর। এক চাল

ভূমি যত ভার দিয়েছ সে ভার করিয়া দিয়েছ সোজা। আমি যত ভার জমিয়ে ভূলেছি সকলই হয়েছে বোঝা।

এ বোঝা আমার নামাও বন্ধু, নামাও— ভারের বেগেতে চলেছি কোথায়, এ যাত্রা ভূমি থামাও॥ আপনি যে ত্র্থ ভেকে আনি সে-যে জ্বালায় বজ্রানলে— অঙ্গার ক'রে রেথে যায়, সেথা কোনো ফল নাহি ফলে।

ভূমি যাহা দাও সে-বে জুংখের দান শ্রাবণধারায় বেদনার রসে সার্থক করে প্রাণ। যেখানে যা-কিছু পেয়েছি কেবলই সকলই করেছি জমা— যে দেখে সে আজ মাগে-যে হিসাব, কেহ নাহি করে ক্ষমা।

এ বোঝা আমার নামাও বন্ধু, নামাও— ভারের বেগেতে ঠেলিয়া চলেছি. এ যাত্রা মোর থামাও।

11	১ রা তু	মা মি	ম( য	l	২ মা ভ	মমা ভা•	-পা •	1	• পা দি	পা য়ে	পা ছ	1	ও পা সে	সা ভা	-1 <b>ą</b>	I
1	রা ক	রা রি	গা য়া	1	মা দি	পা য়ে	পধা ছ •	1	মা সো	পা জা	-1 •	١	-1	-1	<b>-1</b>	I
I	পা আ	ধৰ্মা মি•	र्मा व	1	স <b>ৰ্</b> ড	ৰ্সা ভা	-র্র্সা • ব্	١	না জ	ৰ্স। মি	না দে	1	ধা তু	না গে	ধণা ছি •	I
1	পা স	পা ক	না লি	1	ध। इ	নধা দে•	পা ছে	1	<sup>ম</sup> পা বো	মগা ঝা•	-1	1	গা ৰ	-1 न्	मा इ	1
I	পা শ	পা ক	না লি	1	ধা इ	ধা স্বে	ধনা ছে॰	1	ধা বো	শা শা	-1	1	-1	-1 •	-1	I

. ख ·- | {রারা - | রা I স্বা সা स्र 69 বো 41 আ মা व नामा ७ व न ğ र्मा - | - तर्मा - तर्मा | - ना - - - - - - - - - 1 न মা • • • • • • 1 (र्मना मी मी | मी मी -र्छा)} | ना ना -र्मा | मी मी मी मना दर्भा दा | | भी नर्दा -र्मना । ना ना -र्मा | र्मना था भा | मभा मगा -। | गा -1 मा I • मु था था ९ का• छूपि था गा• ७ व न् धू কে 41. -না না था ना धनधा भा -। I M -1 -1 2 তু মি 41.. মা P যা 9 ত্ৰা মা ি মা মমা -পা भा পা পা I রা মা পা সা मा । नि প্ CE আ আ 9 যে ছ • **(**₹ বে -গা মা । मा भा -। -। -। া রা -পা পধা রা জ জা• न শে 4 71 4 ব -धर्मा ৰ্গা । मा রূস্য না ৰ্শা না -ধা I 211 স্য না धभा I থে যা ₹. ₹, • & গ1 4 (F. বে 41. **A** -1 21 গা -1 1 91 -81 নধা 484 মগা 21 না हि 71. # (7) ৰ 7 ă কো P নো क -1 | -1 না | श 211 -1 -1 I I M 2 -41 4 थना হি• (4

**₽** ₹

(**4**1

নো

41

स

र्खा । र्जा ١ -1 র { (1) -1 | र्खा জ্ঞা র ধে र्खा र्मा 4 1 স্না ও সে বে ছ 41 **হ**1 যা ম তু • -1 -1 -1 | -1 -र्ज्ञर्भा । ---রর্গা ন I ৰ্সা -1 . . . . . . 41 र्जार्या | र्यार्था - रूडी) } | ना ना र्जा | र्जार्जा - | र्जना तर्जी মি যা হালাও আনব ল ধারায়ু বে॰ দ॰ **5** • | -भी मंत्री मंना I ना -1 मी | मंना था भा | मभा -मभा -1 | भा -1 সার্থ ক ক রে (Fie রু৽ -1 1 -1 ١ -1 -1 -91 ধন্ধ ना ধা 71 ١ না -1 1 91 8100 ৰে ক 4 ব্ সা म। 1 স i 24 211 178 41 - 1 91 1 মমা ব মা (4 মা 15 মা া রা ্যে · 5 (% F# . যা নে 4 যে -1 1 -1 -1 ١ -1 211 মা ١ • পধা 211 মা গা • রা মা I রা Œ **(** বে 4 9 4 স না 1 ধা 71 न ৰ্সা -द्रमा र्भा • ব্ र्मा 71 ١ 1 र्भा ধৰ্মা ·C4 গে 21 I মা' • 4 আ শে (4 **CH** • বে मा 1 -1 1 71 -1 মগা ١ 491 91 न्धा न X ١ 41 4 न सा • \* C **₹** ∘ हि 71 Ę CF 1 1 4 4 1 4 71 1 1 धना ধা 41 না 911 1 911 মা (#º 1 4 ના হ 4

- र्खा 1 প্ৰ र्मा र्खा ख -1 রা 41 আ না বো या বৃ 4 . মা 9 न ৰ ধু
- I (সনা সাঁ মা | মা মা -ভরা) } | না না -সা | সা সা সা | সনা রসা রা । এ• বো শা আ মা বু ভারে বু বে গে ভে ঠে• ণি• রা
- | সা সর্রা স্না I না না -স্য | স্না ধা -পা | ৰপা মগা -া | গা -া মা I চ ৰেণ্ছিণ এ যা ৭ আলু মোরু থা মাণ্ড ব নুধু
- 91 21 --ना था -ना धनधा 91 -1 II II -1 -1 -1 ত্রা যো মা g যা • থা • • 8

#### গৌড়মলার। ত্রিভাল

ভোমার দেখা পাব ব'লে এসেছি-যে সখা।
ভান প্রিয়তম হে, কোথা আছ লুকাইয়ে—
তব গোপন বিজন গৃহে লয়ে যাও॥
দেহো গো সরায়ে তপন ভারকা,
আবরণ সব দূর করো হে, মোচন করো তিমির—
জগৎ-আড়ালে থেকো না বিরলে,
লুকায়ো না আপনারি মহিমা-মাঝে—
ভোমার গৃহের ভার খুলে দাও॥

• ত । || {রা<sup>র</sup>মারামা| রারাসাসা | তোমার দে ধাপাব ব'

- ১ ব I রামামামামগাপামঃ '-গঃ} | রারা-মারা | রাপামাপা শে এ দেছি যে স্থা • ৩ ন • প্রে য় ড ম ছে
- l ধা সাঁ বর্সা | ধা ধা পা পা | মা মামগা মপমা | -গমা রা মমা পণা l কো থা আ। ছ লুকাই য়ে ত ব গো• প•• •• ন বিজ্ঞানগু
- I সা -া -বর্সাধপা | -মগাপম। মাঃ -গঃ II হে • • ল• •• রে• যা ও
- -1 II পা পা পা সা | ধা ধা সা সা | সা সা সা সা সা মা সা মা সা মা কা মা

- I পা পধা পা মা | গমা রা রা মা | পা পা পা | সা রা রা রা I জ গ ড আ। ভা লে থে কো না বি র লে লুকা রো না
- l ৰ্ল্সা সা সা মা রা রা | -সা সা সা <sup>ন</sup> সা | ধা রা সা সা l আ প নারি ম হি মা মা • ঝে ভো মা র গুহে র.
- । সা -নসাধাপা | -মগাপমামঃ -গঃ II II ভা •• র খু •• লে• দা ও

## ইম্নী। একডাল

পাদপ্রান্তে রাখ' সেবকে,
শান্তিসদন সাধনধন দেবদেব হে॥
সর্বলোকপরমশরণ, সকলমোহকল্যহরণ,
ছঃখতাপবিদ্বতরণ, শোকশান্তাস্মিগ্ধচরণ,
সত্যরূপ প্রেমরূপ হে,
দেবমমুক্তবিদ্বতপদ বিশ্বভূপ হে॥
হৃদয়ানন্দ পূর্ণ ইন্দু, তুমি অপার প্রেমসিন্ধু।
যাচে তৃষিত অমিয়বিন্দু, করুণালয় ভক্তবন্ধু
প্রেমনেত্রে চাহ' সেবকে,
বিকশিতদল চিত্তকমল হৃদয়দেব হে॥
প্রণ্যজ্যোতিপূর্ণ গগন, মধুর হেরি সকল ভূবন,
হৃধাগদ্ধমুদিত পবন, ধ্বনিতগীত হৃদয়ভবন।
এস' এস' শৃহ্য জীবনে,

মিটাও আশ সব তিয়ায অমৃতপ্লাবনে। দেহ' জ্ঞান, প্রেম দেহ', শুক্ষ চিত্তে বরিষ স্নেহ। ধন্য হোক হাদয় দেহ, পুণা হোক সকল গেহ।

5 11 { গা -1 11 গা -1 গা 311 -1 রা স রা I 91 7 ভে 21 রা শে I 31 -ন্ -ধ্ (本 21 -1 সা म। সা ন্ -1 স রা গা To MI 7 স a শা I রা<sup>\*</sup> -না म -1 -1 -1 -1 (-রা)} রা CF হে

I I { 91 91 -1 পা 91 -1 সা পা ধা ধা সা \* র 9 (M) ম 4 **क** 9 র 7 ব र्मा 1 र्गर्जी मी ৰ্সা 1 স্ र्गा मा } I I পা পা 1 र्भा -1 ধা স যো লু ক 7 • ₹ <u>क</u> ষ ₹ র र्त्रा र्मा 1 I ৰ্শা না - ধা 1 না -1 4 ध 91 -1 ध 14 ছ কৃ 31 9 ঘ খ a ড বু I I 51 -1 য়া 511 রসা রা I ধা -1 91 91 -1 সা শ্ব গ Ħ 5 র • • C41 41 7 ভ ক I I { গা 511 গা म। রা 511 -1 11 -1 রা -1 -1 9 (2 ম ক্স 7 ٩ • <u>Ā</u> 9 I 1 -সা 1 -না -ধা 1 -1 -1 71 -1 -1 -1 -রা -1 (₹ 9[] 1 I 1 ধা স সা -11 -1 র1 511 মগা -1 সা সা FA CF 4 ভ 54 **F** • ব য Ŋ S ব -1 (a1)} I -1 I 1 I সা -=1 রা -1 -1 -1 রা -511 রা সা বি 4 ভূ 54 (হ 1 ( 21) 1 1 1 পা भा পা 911 3/1 21 -1 21 -1 -1 श 3 হ ন ¥ Ŋ র্ ন্ ছ P 31 ٩ 9 I 91 ৰ্সা तंत्र्या ৰ্শা -1 সা र्मा र्मा } I 41 21 -1 -1 যি তু 5[ 571 র ম (म 7 (2 • Ą

I পা র্যা র্বা र्मा 1 ধা -1 I সা -1 না না 4 না বি মি বি ન ছ অ 4 4 যা СБ তৃ I পা গা -1 1 গা র পা ধা মা -রসা 1 91 21 -কা 91 ₹ ব · ন্ 7 Ŋ ভ ত ধু ₹ क्र 1 I { 剂 -1 গা গা -1 রা সা -1 রা গা -1 11 ₹' • (7 • ব (41 ম নে 4 C 51 -2/1 -সা -ন্। -41 -1 1 -রা -1 I 1 21 -1 -1 -1 -1 (4 I 1 -1 সা মগা I পা 1 সা ন্ রা 71 পা ধা সা সা F **क** ম্ **7** • 4 4 3 বি 4 ত F (-a1)} I -1 I -1 -1 -1 সা -1 I -ন্ রা রা গা রা সা ব হে ব্ CH • হ Ħ পা I পা -1 পা ধা ধা I { পা 91 -1 কা 91 -1 তি ব 9 গ 5 न 7 (4) બૂ 4 9 र्मा | ৰ্সা ৰ্সা স্ব } I ৰ্সা 1 र्द्भा স্ I M र्मा -1 ধা 91 রি স ø ভূ ব্ ন 4 র হে • ম ধু I পা ৰ্সা -ধা না ধা ধা রা -1 না সা र्मा -না I F a ষু • 9 ৰ গ न् ধ সূ ধা I রা মা গা 711 রসা 91 ١ গা -1 1 পা ধা পা না न Ţ ৰ • গী ¥ ব नि ত ত ধ্ব

I { m গা গা -1 গা ١ গা রা I -1 -1 রা সা -1 স্' স' जी ¥ g Q ন 4 ৰ I গা -1 ١ -1 -1 -1 1 -রা -1 -সা -প1 J -1 -ন্ -ধ্1 নে • পা भी সা ন্৷ সা I -ধ্1 সা -1 না রা -গা মগা মি টা তি আ রা 8 শ ব ষ • I -1 -1 (-রা)} I -1 রা রা 7 -না রা সা -1 -1 গা প্রা ব 4 ত নে • 4 I { 如 I পা भा পা -1 -1 স্মা -1 পা ধা -1 পা CF ₹' **হ**: 100 ન (2 ম্ **(**4 ৰ্সা 1 र्त्रम्। र्भा र्मा 1 ৰ্সা I -1 ৰ্শা 21 -ধা পা -1 म | | f রি 4 5 (ভ ৰ ষ (স 7 ষ্ ₹ ৰ্সা র্বা માં -1 न। -1 না ধা ধা I PI না -1 Ħ न् 4 হো হ Ą ₹ Ħ (4 I भा গা ধা -1 পা গা 511 মা -রসা র ॥॥ -1 या পু 4 9 হো 4 স গে 9

## মিশ্র টোড়ী। নবভাল

প্রেমে প্রাণে গানে গন্ধে আলোকে পুলকে
প্রাবিত করিয়া নিখিল ত্যলোকে ভূলোকে
তোমার অমল অমৃত পড়িছে করিয়া ॥
দিকে দিকে আজি টুটিয়া সকল বন্ধ
মুরতি ধরিয়া জাগিয়া উঠে আনন্দ,
জীবন উঠিল নিবিড় স্থধায় ভরিয়া ॥
চেত্তনা আমার কল্যাণরসসরসে
শতদলসম ফুটিল পরম হর্ষে
সব মধু তার চর্গে তোমার ধরিয়া ।
নীরব আলোকে জাগিল হৃদয়প্রান্তে
উদার উষার উদয়-অফ্রণকান্তি,
অলস আখির আবরণ গেল সবিয়া ॥

ર II नाननान | नानना | मानना | नानना | नामा | भानना | नानना | नानना নে গ নুধে আলোকে পুল প্রে মে॰ প্রা ৰে গা প্লা বি॰ ড वा नि ধি ল ছালোকে ভু লাকে ক বি• I शक्काशाना | नमामशा | शामा | शास्त्रा I स्त्रक्षाक्षणाना | मामा | नामा | नाना II ভো॰ মা র প • ড়ি• ছে व ति • मा मिटक भि दक न कि है है मा कि म कि म ો નાનાના | બંગાર્ગા માં છહાં | છહા છઠાં 1 યંછઠા થાર્મા | થાં - | - ગા | - - બંના } ! मूत्र छि व॰ ति बाका शिवा উঠ আ न •

- I नार्जनार्जा वर्षार्जा नार्जना ना ना । नाना ना -পा | भा भा | -ना भा | -छत मा II की द॰ न ७ कि॰ न नि॰ वि ७० प्य॰ धा वु छ ति ॰ वा ॰ ॰
- II { গ্সাণ্দ্| গ্সা| -জন জন | -। জন I জন মাপা| মাপা| মজন -। | -ঋা -সা I চেড না• আ মা বুক শ্লা ণ বুস সূব সে• •
- I जा जा ना | ना পा | भा भक्ता | भा ना । ना ना ना भा | भा ना | भा -छ्डा | ना -। I भ ज न न म कु िन প∘ त्र म इत स्व • • •
- । ভর ভর ভর । ভর মা | -পামা | পাভরা । ভর ঋা-সা | সাসা | -ঋ সা \_ -ৠ -দা } ।

  স্বুম ধুডা বুচ র শে ডোমার্ ধরি রা •
- । { नानाना | नार्गा | र्मा आर्था | आर्था | र्मार्गार्मा | नाना | नार्मा | नाना | नार्मा | ना
- I नानाना|नार्गा| र्जार्छ्डा । अर्थ्छा छर्ड्यार्थार्था । र्था । । र्जा | । ना } । । ज्ञार । ज

আশা-ভৈরবী। ত্রিভাল

বরিষ ধরা-মাঝে শান্তির বারি।
শুক্ষ হৃদয় লয়ে আছে দাঁড়াইয়ে
উপ্বর্মুখে নরনারী॥
না থাকে অন্ধকার, না থাকে মোহপাপ,
না থাকে শোকপরিতাপ।
হৃদয় বিমল হোক, প্রাণ সকল হোক,
বিদ্ন দাও অপসারি॥
কেন এ হিংসাদ্বেম, কেন এ ছল্মবেশ,
কেন এ মান-অভিমান।
বিতর' বিতর' প্রেম পাষাণহৃদয়ে,
ভ্যু জয় হোক তোমারি॥

> मा - में भी मा छि। -तः छ। मा छित्रश्रा মা মা রি 4 তি র ব 41 মা সে 41 . [মপা] I { মা - 1 মগামা | পাপাপাপা | দাঃ -পঃ দাণা | দণদা - 1 (পাদপা) } I পা পা I ७ व क • श আ • ছে দা म व न (य \$1 · · · हे त्यु• I मा - ना ना ना | भा - ना भा मा | मभा - नभा - नना - भमभा म्खा - - वा -मा II উ द्र ४ मू **a**1• (খ II { मा মা পা -1 -1 21 91 4 4 41 41 -1 म 41 था ন **(क** ধ 41 ব না থা কে যো I 1 -1 41 পা মা भाष -পমা -পা -1 -1 -1 -1 -1 I থা কে শো না त्रि তা •

- I সা-দাদাপা | -দাদাপামা | মপা-দপা-ণদা-পমপা | মুকুরা -া -ৠা -সা II বি ঘুন দা • ও অ প সা• •• ••• রি ৽ •
- II { মা মা মা | -পা মা পা | দা দা দা দা | -পা দা দর্গ | I কে ন এ চি ড্ সা ছে য্কে ন এ ছ • ল বে শ্
- I ণা দা দা দা | -পা দা প। মা | পদা -পম! -পা -1 | -1 -1 -1 -1 } I কে ন এ মা ∘ ন অ ভি মা• •∘ ∘ • • • • ন
- I{মামামামামামগা-মা|সাদা-াদা|পাদ|পা-দপা} বিভার বি ভার ৫০৩ নু পাবা • ণু হুদ রে ••
- I সাদাদাদাদা পা-দাপামা | মপা-দপা-দপা পমপা | মত্তা । -ঝা-সা II II জ র জ র হো • ক ভো মা• •• •• রি • •

ন্ধরবিতান বড়বিংশ থণ্ড প্রকাশিত হর অগ্নহারণ ১০৫৯ সালে। এই গ্রন্থের সম্পাদনা করেন ইন্দিরাদেবী চৌধুরানী। করেকটি গানের রাগ-তাল নির্দেশে রমেশচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যান্তের সহযোগিতা পাওয়া বার।

এই প্রন্থে পটিশটি গানের স্বর্জাপি মৃদ্রিত। 'আদি আন্ধ্রসমাজের অক্সতম গারক' কালালীচরণ সেন -প্রণীত 'অন্ধ্রস্থাত-স্বর্জাপি' (ছর ভাগ: ১৩১১-১৩১৮) গ্রন্থের বর্চ ভাগে গানগুলির স্বর্জাপি পূর্বে প্রকাশিত হইয়ছিল।

বর্তমান গ্রন্থের অস্তর্ভুক্ত গানগুলির স্থরভেদ, ছলোভেদ, পাঠভেদ ও রচনাকাল-প্রকাশকাল বিষয়ে এ যাবং সংগৃহীত তথ্য বর্তমান সংস্করণে স্মিবিষ্ট হইল। উল্লিখিড তথ্যাদি সংগ্রহ ও সংকলন করিয়াছেন শ্রীপ্রফুল্লকুমার দাস।

আষাঢ় ১ ১৮৬



## ञ्चत्रां / इत्मां एक

২. আমার এ ঘরে আপনার করে

ত্রহ্মদন্ধীত-শ্বরলিপি ৬ : কাশালীচরণ দেন -কৃত শ্বরলিপি—
দেশ স্থলে দেশমন্ত্রার রাগ-নাম ও ত্রিভাল স্থলে কাওরালি ভাল উল্লিখিত।

**\** या | भा - । था - । वा - था - भा - था | প1 -1 -1 I I at • জ্যো 3 ना | ना -मा मा - | मा मा जी ना मा I wi वा नि ল • বে ছি তা সে1 न | त्री न त्री त्री न -बंगा | बं -1 -1 -ना } I 1 5 -নৰ্সা লা • শু ধু কা • ধ नांनाना | नां-नांना नां-। ... **ঘ রে •** র র, 4

8. डेक्ड! यदव इदव नहेत्रा भारत

ত্রন্ধসন্ধীত-স্বর্জিপি ৬: কান্ধালীচরণ সেন -ক্কত স্বর্জিপি— কাওরালি স্থলে ঠুংরী তাল ( ২।২।২।২ মাত্রা-ছন্দ ) উল্লিখিত।

৮. কত অন্ধানারে ন্ধানাইলে তুমি ব্ৰহ্মসন্ধীত-শ্বর্নিপি ৬: কাফালীচরণ সেন -ক্ত শ্বর্নিপি---

## হামীর। রূপক্ডা

ک I ना - या या | या ना - शा - शा | शा | शा | शा मृत्कक किला • • सि ¥ है I धना -र्जर्जा र्जा | र्जा | र्जा - ज - नधा I धा - ना धनर्जा | - नमा - । - थणा - कणा - | II প • ব কে করি লে • • ভা • २ ७ ५ II (शका था भा | ना - | ना - | - | मा ती ती | इसी - मना | मा ना ना পু• রাশো আবা • বা • সৃ । ७ ড়ে. চ লি • • क ৩ ર I की की की ! की: -स: | भी सी -। I की गैरी की | सा: -ध: | सा धका काला!। म तन, एख दा • म दि • कि इन नि ₹**6** • \$ ೨ I মা মা মা | মা -গপা | পদা বগা -! I মা গা গা | মা -গমা | রা সা -! | ভ ৰে র • ম।• ঝে • ডু ম. পুর •• 5 I সামা মা মা - গপা | পা পা - 1 ধা - না খনগা | - ননা - 1 | - ধপা - কপা - 1 II সে**ক থা** যে •• ডুলে • ফু: • • • .. . .. 5 \$ 2 9 II रिका का का का का का का का मा मा मा मा मा का ना का भा ना का भा ना 1 की **वल म** • त्र ८९० • निशित्त . छु • व• য থ দি যে • খাবে • ল • • ₹ 5 5 I মা মা মা | মা -গণা | পকা ধপা -1 I মা গা গা মা -গমা রা সা ۹ .. (¥ • র • প রি Б

١, ছু মি ই চি না নে স • • C भा ना न ना ना ना राजी शी की निज्ञा जी ना ना रा I { 內和 l নি শে ন। হি কে (E). ચા 'S| **5** • 5 I 첫 첫 첫 | 첫: -파: | 배 제 -1 I 첫 회 첫 | 제 -1 | 배어 -파어 -1} I না • নাছি কি ছ • নো • মা ড় • ৰা চি কো র >` 2 मा मा | मा -श्रेश | श्रेका १७१ - 1 मा शा शा | मा -श्रमा | क्षा ना - 1 য়ে • জারিতে ছ • ডুমি • বা রে মি • • č1) • ``د 2 I সামামা | মা-গণা | পা পা -1 l ধা -না -গনসা | -নসা -1 | -ধণা কপা -1 II II માં • બા • • • • • भ ৯. কীভয় অভয়ধামে

ব্ৰহ্মসন্ধৃতি-শ্বরলিপি ৬ : কাঙ্গালীচরণ সেন -স্কৃত স্বরলিপি— বেহাগ স্থালে শব্দরা রাগ-নাম উল্লিখিত।

5 利 利 -1 মা ··· I সা 有一有 I গা গা মপা **2**1 न য় দূ ৰ্কা ৰ্কা I রা | র্যা -1} I ৰ্গা -1 | না -1 না .ভা অ মূ ভ • বি যু જા II II र्रा ৰ্সা । না -421 1.5 র স

- ১০. কেন জাগে না জাগে না অবশ পরান
- ° বন্ধনন্ধীত-শ্বরলিপি ৬: কান্ধানীচরণ দেন -চুত শ্বরলিপি—

• ১ ২´ ৩ •
| পধণা মণা | গা গ; } I গা -পমা | মা মণ! | গা রগা |
অব -- চে- ড ল ধু •- লি শা ন

১২. কোথা হতে বাজে প্রেমবেদনা রে

ব্ৰহ্মসনীত-স্বৰ্ণিপি ৬ : কালাসীচরণ সেন -ক্কুত স্বর্গিপি—

ত্রিভাল স্থলে কাওয়ালি ভাল উল্লিখিত।

|-a| মারারা|-| সারারা]

• भी त्व, भी • त्व वू वि

১০. কোন শুড়খনে উদিবে নয়নে

ব্ৰদ্মদ্বীত-স্বৰ্থলিপি ৬: কাৰ্যালীচরণ সেন -ক্ষত্ৰ ব্ৰহলিপি---

	ړ'			2				•		•		3
1	গা	গমা	পা	না	না	না	j	না	-1	-1   최	-1	-না II "
	4	4.•	ম	₹,	র	• স		ৰি	•	· -	•	•
	•			•				5"			<b>ર</b>	
1	না	-4	-11	#1	-1	-1	Ι	41	<b>1</b> 1	利 ( :	ৰি গ্ৰ	<del>1</del> 1
	রা		•	<u> তি</u>	•	•		नि	ৰি	ıς f	में •	*

11

- ১৪. জননী, ভোষার করণ চরণধানি জন্মদীত-অরলিপি ৩: কালালীচরণ দেন -কৃত অরলিপি— মিশ্র গুণকেলী কুলে গুণকেলী রাগ-নাম উল্লিখিত।
- ১৫. জীবনে আমার যন্ত আনন্দ পেরেছি

  বন্ধসন্ধীত-অরনিপি ৬ : কান্ধানীচরণ সেন -ক্লভ অরনিপি—

  মিশ্র সাধান। হলে নারেকী কানেড়া রাগ-নাম উল্লিখিত।

১১. তব অমল প্রশ্রস, তব শীতল শাস্ত পুণ্যকর অক্সাকীত-স্বরলিপি ৬: কালালীচরণ সেন -কৃত স্বর্লিপি---বিভাল ক্লে কাওয়ালি তাল উল্লিখিত।

या या II या भा भा भा भा वा । वला का का भा । या शा ভ ব শ র স1 र्भा । 91 -41 II মুক্তা মা ना ना जा त्री त्री वा -त्री - ज्या -श्री Can 13 र्मवा | र्मा -1 স भा - ना र्गा र्मा - । - ना 51 .

- ১৮. তব প্রেমস্থারণে মেতেছি

  ব্রহ্মসঙ্গাত-স্বর্জাপি ৬: কাঙ্গালীচরণ সেন -কৃত স্বর্জাপি—

  ব্রিভাগ স্থাল কাও্যালি ভাল উন্নিখিত।
- তুমি নব নব রূপে এসো প্রাণে

  ক্রমদলীত-স্বরলিপি ৬: কাশালীচরণ সেন -ক্লত স্বরলিপি—

  ক্রিতাল বলে কাওয়ালি তাল উল্লিখিত।
- ২২. তোমার দেখা পাব ব'লে এসেছি

  ব্রহ্মসন্ধীত-স্বর্জিপি ৬: কালালীচরণ দেন -ক্লভ স্বর্জিপি—

## গৌড় মলার। কাওয়ালি

1 5 মা: গা | মা পা -গ: } সা I রা মা মা যা | -11 {রা রা মা রা সা মা এ f CT 41 ব (ল, সে ۹, মা ₫, CW ચા, श ে ব ١′ 91 ৰ্সা ৰ্সা 利 41 41 মা -রা মা মা 91 ম 위 I 법 7 41 য়ে वि থা আ 5 • न **(3** য হে (41 य 5 -51: II 91 I 4' পা মা न। नर्भ ধপা -পমা পমা য মা মা রা মা মা বি હ ব, C511 প ન, **(**3 4 7 5 利 | 利 ৰ্সা 11 91 र्मा । भा 利 সা र्भ । 利 I 91 41 利 41 利 3 ન, **3**1 CH গো, স রা য়ে, 9 র কা 5 र्मना -र्जा | र्मा मा था | र्मा দ র। र्मा मा 利 41 ধা 91 91 I ত্তি মি স ৰ **9** • • न, ক র হে যো 5 ન, ক न्न 5 91 511 91 91 91 利 রা র্বা র্বা I 91 রা রা 91 91 ডা (0) ᆌ. বি ₹ मृ না ৰ্গা ৰ্গা ৰ্ম ৰ্মা ৰ্গৰ্মণ র্বা র্বা 1 -1 利 ৰ্সা 利 ধ! র্বা I 4 রি ম É 和. মা আ ঝে, র, হে 5 I 41: -위: -51: II II মা -সগা মা:

192

1

র •

ગ્

#### ২৩. পাদপ্রাতে হার্থ সেবকে

ত্রক্ষসনীত-শরলিপি ৬: কালালীচরণ সেন -ক্লত শরলিপি---

	5			ર			•			•		
I	পা	71	ধা	ৰ্গা	-1	গা	ৰ্গা	利	ৰ্গা	र्भा	र्जा	析}, I…
(2)	×	₹	<b>3</b> 1	মো	•	₹	<b>₹</b>	7	₹ .	ŧ	ब्र	4
(२)	ã	খি,	4	41	•	র	শ্রে	•	4	সি	•	Ţ
<b>(</b> 9)	ষ	4.	3	æ	•	রি	স্	•	7	ভূ	4	<b>a</b>
(8)	4	•	•	চি	•	ন্তে	`ব	বি	4	নে	•	₹
	ه`			ર			•			•		
I	পা	পা	<b>41</b>	41	-1	শা	সা	-1	শা	711	- <b>দ্ব</b> শ	রা I
	•	7	41	ল	•	Ŧ	•	<b>ক্</b>	•	₹	• ন্	4

#### ২ঃ. প্রেমে প্রাবে গানে গদ্ধে

ত্রদ্বসদীত-স্বরলিপি ৬: কাদালীচরণ দেন -কুত স্বরলিপি— মিল্ল টোড়ী কলে টোড়ি রাগ-নাম উল্লিখিত।

### २१. विषय बदा-गांद्य माखित वांत्रि

বন্ধসন্ধীত-স্বরলিপি • : কান্ধালীচরণ সেন -ক্বত স্বরলিপি— ব্যিতাল স্থলে ঠুংরি তাল ( ২।২।২।২ মাত্রা-ছন্দ ) উল্লিখিত।

১´ ২ • ৩ ১´ ২ সাII{ঝা -পা|মা মা|মা -1|পা মা I···I क्रेनो - ক্পो|-মা -পা| ব রি • ব, ধ রা • সা ঝে না• • • •

| मळा -1 | -शा ना II त्री • "व"

• • • • • • 2 • 4 প রি তা • • কে, শো না • ন জ ভি মা • • • ৰ ৰ এ মা **[**4 I { मा मा | मा मा | मा ना | मा - | I मा - | | मा | मा | मा | भा - | } I প্রা • ণ, বি হো ক্ স ব ₹ 珥. ম্ न হো ক্ ভ র, বি ভ র খে মৃ পা বা • বি € ર I जा - मा | मा मा | - | मा | जा मा I ममा - मा - जा | म्छा - | - आ जा II II অন প ₹1 • **• آ**و • জ হ হো • ক, ভো अ

## পাঠভেদ

২. আমার এ ঘরে আপনার করে

অচপন তার জ্যোতি

অচপল ভার আলো

: ব্রদ্দসন্বীত-শ্বরলিপি 🕶 ( জ্যৈষ্ঠ ১৩১৮ )

: গান (১৯০৯ খুস্টাব্দ)

গীভবিভান ( আশ্বিন ১৩৩৮)

১৫. জীবনে আমার যত আনন্দ

ভোমার নয়নপাভ

ভোমারি নরনপাত

: ব্রহ্মসঙ্গীত-স্বর্যালিপি ৬ ( জ্যৈষ্ঠ ১৩১৮ )

: গান (১৯০৯ থুস্টাব্দ)

গীডবিভান ( আশ্বিন ১৩৩৮)

১৯. ভূমি জাগিছ কে

আর কোথা যাই

আর কোথার যাই

: বন্ধদন্ধীত-মর্বাদি ৬ (জ্যৈষ্ঠ ১৩১৮)

: গান (১৯০৯ খুস্টান্দ)

গীতবিভান ( আখিন ১০০৮)

২১. তুমি যত ভার দিরেছ

এ যাত্রা মোর খামাও

এ যাত্রা মোরে থামাও

: ব্ৰহ্মদৰীত-স্ববলিপি ৬ ( জৈচ ১৩১৮ )

: গান (১৯০৯ খুস্টাব্দ)

গীতবিভান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

# রচনাকাল/প্রকাশকাল

	10-11 +1-1/-	4 41 141-1	
গাৰ	প্রকাশ	শ	রলিপি
		সাময়িক পত্ৰ/গ্ৰন্থ	শ্বরলিপিকার
আজি রাজ-আসনে ডোমারে	কাব্যগ্রহাবলী	ত্ৰ-স্ব ৬	কাকালীচরণ সেন
আমার এ ঘরে আপনার করে	নৈবেজ	ব্ৰ-শ্ব ৬	কালালীচরণ সেন
আমার বিচার তুমি করে।	কাব্যগ্ৰন্থ ৮	ব্ৰ-শ্ব ৬	কালালীচরণ সেন
हेळा यत्व इत्व महेरज्ञा भारत	ক্ব্যিগ্ৰন্থ ৮	ব্ৰ-স্ব ৬	কালালীচরণ সেন
এক মনে ভোর একভারাতে	<b>থে</b> য়া	স-প্র ১০ <b>।</b> ১৩১৫ ব্র-ম্ব ৬	কান্ধালীচরণ সেন কান্ধালীচরণ সেন
এত আনন্ধধনি উঠিল কোথায়	গংনের বহি	ত্ৰ-স্থ ৬	কালালীচরণ সেন
এসেছে সকলে কত আৰে	রবিচ্ছারা	ব্ৰ-স্ব ৬	কান্সালীচরণ সেন
ক্ড অভানারে জানাইলে তৃমি	গাৰ	স-প্র ৫।১৩১৫ ব্র-স্ব ৬ সংগীত-গীডাঞ্চলি	ইন্দিরাদেবী কাঙ্গালীচরণ সেন ভীমরাও শাস্ত্রী
কী ভয় মভয়ধামে	গানের বহি	ব্ৰ-স্ব ৬	কাঙ্গালীচরণ সেন
কেন ৰাগে না কাগে না	গানের বহি	স-প্র ২।১৩১৮ ব্র-স্ব ৬	কান্ধালীচরণ সেন কান্ধালীচরণ সেন
কেমনে রাখিবি ভোরা তাঁরে দুকারে	কাব্যগ্ৰন্থ ৮	শ-প্র ৮।১৩১৭ ব্র–স্ব ৬	কাঙ্গালীচরণ সেন কাঙ্গালীচরণ সেন
কোথা হতে বাজে প্রেমবেদ্নারে	গান	স-প্র ১•۱১৩১৫ ব্র-স্ব ৬	স্থরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যার কান্দালীচরণ সেন
কোন্ <del>ওভ</del> খনে উদিবে নয়নে	গান	স-প্র ১০।১৩১৫ ত্র-স্ব ৬	সুরেন্দ্রনাথ বন্যোপাধ্যায় কান্ধানীচরণ সেন
জননী, ভোষার ৰুক্ণ চরণগানি	शःन	স-প্র ১• ১৩১ <b>৫</b> ব্র-স্থ ৬ দংগীভ-গীভাঞ্জলি	স্থরেক্তনাথ বন্দ্যোপাধার কালাগীচরপ সেন ভীমরাও শান্ত্রী
জীবনে আমার হড আনন্দ	নৈবেছ	ব্ৰ-স্ব ৬	কাঞ্চালীচরণ সেন

গাৰ	@[46] <sup>104</sup>	বর্গনিশি				
		সামরিক পত্র/গ্রাম্থ	শ্বরলিপিকার			
ভেকেছেন প্রিয়ত্ত্য	র বিচ্ছার1	ব্ৰ-স্ব ৬	কান্ধালীচয়ণ সেন			
ভৰ অমল পরশ্রদ	গান	স-প্র ১০:১৩১৫ ত্র-শ্ব ৬ বৈভালিক	সুহেজনাথ বন্দ্যোপাধ্যার কান্ধালীচরণ দেন 'দিনেজনাথ ঠাকুর'			
ভব প্রেমন্মধারদে মেডেছি	গানের বহি	ব্ৰ-স ৬	কাঞ্চালীচরণ সেন			
ভূমি জাগিছ কে	গানের বহি	ব্ৰ-স্ব ৬	কাঙ্গাণীচরণ সেন			
তুমি নৰ নৰ রূপে এসো প্রাবে	গান	া-প্র ১১।১৩১৫ ব্র-স্ব ভ বৈভাগিক সংগীত-গীতাঞ্গলি	স্বেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যার কাঞ্চালীচরণ সেন 'দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর' ভীমরাও শাস্ত্রী			
ভূমি যন্ত ভার দিয়েছ	ধেয়া	স-প্র ১•۱:০১৫ ত্র-শ্ব ৬	ক কালীচরণ সেন কালীচরণ সেন			
ভৌমার দেখা পাব বলে	গানের বর্হি	ব্ৰ-শ ৬	কান্ধানীচয়ণ দেন			
পাদপ্রাত্তে রাখ' সেবকে	কাব্যগ্ৰহাবলী	ব্ৰ-স্ব ৬	কাকালীচয়ণ সেন			
ক্রেয়ে প্রাণে গানে গন্ধে	গান	দ-প্র ১১।১৩১ <b>৫</b> ব্র-ম্ব ৬ দংগী <b>ভ গীডাঞ্জ</b> লি	মুরেন্দ্রনাথ বন্দ্যোগায় কাঞ্চালীচয়ণ দেন ভীমরাও শান্ত্রী			
বরিষ ধরা-মাঝে শান্তির বারি	রবিচ্ছারা	<b>3-7</b> 6	কান্সালীচরণ সেন			

ব্ৰ-ম্ব = ব্ৰহ্মসঙ্গীত-ম্বরলিপি গ্রন্থ। স-প্র = সঙ্গীত-প্রকাশিকা পত্রিকা। ভালিকার উল্লিখিত গ্রন্থগুলির প্রকাশকাল:

কাব্যগ্রহাবলী: ১৩০০। বৈবেছা: বৈশাধ ১৬০৮। কাব্যস্থ ৮: ১৩১০। থেয়া: ১৩১০। গানের বহি লগানের বহি ব বাল্মীকিপ্রভিক্তা: ১৩০০। রবিচছারা: বৈশাধ ১২৯২। গান: ১৯০৯ খৃষ্টাক্ । এ-ব ৬: জ্যেষ্ঠ ১৩১৮। সংগীত-গীতাঞ্চলি: ১৯২৭ খৃষ্টাক্ষ। বৈতালিক: তৈত্ত্ব ২৩২৫।

## শবিকতর হানির্দিষ্ট ও অধুনা বিবতারতী-অকুস্তত আকারমাত্রিক বর্মানি -পদ্ধতির সংক্ষিপ্ত ব্যাখ্যা

- > সর সম প ব ন--- সপ্তক। খাদ-সপ্তকের চিহ্ন খরের নীচে হসস্ত, বধা---প্, ব্, এবং উচ্চ-সপ্তকের চিহ্ন খরের মাধার রেফ, বধা--- স্, র্র।
- ২ কোষল র--- ঋ, কোষল গ--- জ, কড়ি ম--- ঋ, কোষল ধ--- দ এবং কোমল ন--- গ।
- अ' = चिंदिनामन श्रवेष । चिंदिनामन श्रवेष्ठ द्वान म । अश्र चत्रवर्षि । अ', ह', । ' = वर्थाक्रम चिंदिनामन गामात्र, देवच । विवाद । अपूर्वामन श्रवेष्ठ द्वान श्रवेष्ठ व चत्रवरत्रत्र मधावर्षी । अर्थ, ह', ह' = वर्थाक्रम चपूर्वामन गामात्र, देवच । निवाद ।
- ৪ একমাজা = 1। অর্থমাজা = :। সিকিমাজা = ৽। ছইটি অর্থমাজা, বথা— সরা। চারিটি সিকিমাজা, বথা— সরগমা। ছইটি সিকিমাজা, বথা— সরঃ। একটি অর্থমাজা ও ছইটি সিকিমাজা মিলিয়া একমাজা, বথা— সং গরং। একটি দেড়মাজা ও একটি অর্থমাজা মিলিয়া ছই মাজা, বথা— রাং গং।
- কোনো আসল খরের পূর্বে যদি কোনো নিমেষকালছায়ী আহ্যদিক খর একট্
   ছুঁইয়া বায় মাজ, ভাহা হইলে সেই খরটি কুল অকরে আসল খরের বায়
   পার্খে লিখিত হয়, য়থা— ময়া য়য়া । আসল খরের পরে য়দি কথনো অল্প খরের
   ঈয়ৎ রেশ লাগে; ভখন ঐ খর কুল অকরে দক্ষিণ পার্খে লিখিত হয়, য়থা— য়ায় ।
- বিরামের চিহ্ন ও মাত্রাসমূহের চিহ্ন একই; হাইফেন-বর্জিড হইলে এবং
  খরাক্ষরের গায়ে সংলগ্ন না থাকিলেই সেই মাত্রা, বিরামের মাত্রা বলিয়া
  ব্রিডে হইবে। প্রের ক্ণিক শুরুতাকে বিরাম বলে।
- ডাল-বিভাগের চিহ্ন এক-একটি দাঁড়ি। সমে ও সম্ হইতে ভালের এক ফেরা
   ইয়া গেলে দাঁড়ির ছলে I এরপ একটি 'দণ্ড' চিহ্ন বসে। প্রায় প্রভ্যেক
   কলির আরভে তুইটি দণ্ড বসে। বেখানে গান একেবারে শেষ হয় সেখানে
   চারিটি দণ্ড বসে।
- ৮ মাজাসমষ্টি ভিন্ন ভিন্ন গুছে বিভক্ত, প্রভ্যেক গুছের প্রথম মাজার শিরোদেশে ১, ২, ৩, ৪, ইভ্যাদি সংখ্যা বিভিন্ন তালাম্ব নির্দেশ করে। শৃষ্ক-চিহ্নে (•) ফাক ও বে সংখ্যায় রেফ-চিহ্ন থাকে (১) ভালাভেই সম্ ব্রিভে ইইবে।
- শাস্থায়ীতে প্রত্যাবর্তনের চিহ্নস্বরূপ ছুইটি করিয়া দও বলে। কোনো কলির লেষে এই II য়ুগল দও এবং সবলেষে II II ছুই জোড়া দও দেখিলেই আত্মায়ীর প্রথবে বেখানে য়ুগল দও আছে সেইখান হইতে আবার আরম্ভ করিবে।

- > आश्वाशीय आयर्ष, II এই धूनन मरखन वाशित नारनव अरम नान ধরিবার সময় একবার মাত্র গাহিবে, করেণ প্রড্যেক কলির শেষে এই অংশটুকু " " এরণ উন্ধৃতি-চিচ্ছের মধ্যে পুন: পুন: লিখিত হইয়া থাকে।
- ১১ व्यवमारनद्र हिरू, निरदारम्य यूजन मांडि, यथा-- मा। १४ अहेथारन
- একেবায়ে থামিবে, নয় এইখানে থামিয়া গানের অক্ত কলি ধরিবে।
- ১২ পুনরাবৃত্তির চিহ্ন 🚦 এই গুদ্দবদ্ধনী; এবং পুনরাবৃত্তিকালে কভকগুলি শ্বর वान निशा वाहेवात हिरू () এই वक वक्रनी, यथा-{ मा ता (भा मा)}। मा भा। ১৩ পুনরাবৃত্তিকালে কোনো হুরের পারবর্তন হইলে, শিরোদেশে [] এই সরল
- (बाशा) বন্ধনীচিক্ষের মধ্যে পরিবর্ডিভ স্বরগুলি স্থাপিড হয়; মধা— { সা রা গা }। कानित (मार्थ यून्न मार्थत मार्था । अ नव-मार्थ पृष्टे श्री पृण्ड मार्था
  - [] এडे मद्रम तक्कती थाकित्म, यथा— I [ ] I, II [ ] II, व्याकागीट किविया পরিবর্ডিড স্বর গাহিতে হয়।
- ১৪ কোনো এক শ্বর বধন স্মার-এক শ্বরে বিশেষরূপে গড়াইয়া যায়, তথন খরের নীচে \_\_ এইরূপ মীড়-চিহ্ন থাকে; যথা-- ণা -পা ১৫ वर्षन श्रादात्र नीत्र शास्त्र श्राप्तत्र ना थात्क, उथन त्मरे श्राप्त या श्रद्धिनित्र
  - वाम शार्ष शहरकन (-) तरम अवर शारनत शश्करा मुख ( ) रमख्या ६ ॥ ; वर्षा-- मा -1 -1 -1 | वर्ष्या-- मा -या -मा । वर्ष्य देव पृथ्य त्यांत्क মা • •
  - উচ্চারিত হইলে সেই স্বরের বাম পার্ষেও হাইফেন বসে; বথা---मा -मा -दा -दा। अथवा-- मा -मा -दा -दा।
  - गा • न
- ১৬ नीर्क शास्त्र अक्षद खदाछ ना इट्रेंग উপরে खरदद वाम পার্খে हाই ध्यन ( )
  - वरन ; वथा-- ना ना ना ना न न न । . গা • • নু গা • • ন
- विश्वाय क्रिया त्रियाहरू यद्भ क्रिया हहेगा । ८ = ७ अवः ८ = अग्र, त्रक्र विश्वा ও বেলা শব্দের প্রথম ব্যঞ্জনাঞ্জিত একারের মূজণে ইলিভ করা হইয়াছে। ভাষা हाका 'कारवनाम् ' विरक्षिषिक स्ट्रेल हांशा स्म क पर ना म । 'मतन'- म ता !

উচ্চারণ: স্বর্লিপির ভিতরে প্রায় স্ব কথার বানান ব্থাসাধ্য উচ্চারণ-অন্নুষায়ী

# স্বরবিতান ২৬

